



**SHARMA
HARDWARE**

Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01

98648-02947

विकसित भारत समाचार

यूपीएससी चयन प्रक्रिया में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बदलाव जरूरी : मोदी

पेज 2

कांग्रेस समाज को बांटती है, भाजपा राष्ट्र निर्माण करती है : दिलीप सैकिया

पेज 3

श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार कानून में संशोधन पर पंजाब सरकार ने अकाल ...

पेज 5

एशियाई खेल 2026 : भारतीय क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को ...

पेज 7



**SUMAN
FIBRE & INTERIOR**

Siddiqui Ali Commercial
Complex, S.J. Road,
Athgaon
Guwahati-781001

+91-98648-02947



सुप्रभात

अस्थिर मन वाले की सोच स्थिर नहीं रहती।

- आचार्य चाणक्य

जिम्बाब्वे में हेलिकॉप्टर हादसा, राष्ट्रपति के करीबी उद्योगपति विकनेल चिवायो समेत छह की मौत

हरारे (हि.स.)। जिम्बाब्वे के मरोनडेरा में बुधवार को हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसके बाद उसमें आग लग गई। हेलिकॉप्टर में चार यात्री और दो क्रू सेंबर सवार थे। हादसे में सभी छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 43 वर्षीय उद्योगपति विकनेल चिवायो और उनकी पत्नी लूसी मुतेके भी शामिल हैं। चिवायो को राष्ट्रपति एमर्सन मनांगान्वा का करीबी माना जाता था। जिम्बाब्वे के अखबार न्यूज डे की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा राजधानी हरारे से करीब 70 किलोमीटर पूर्व मरोनडेरा में गिरा। पुलिस को हादसे का जानकारी बुधवार शाम करीब पांच बजे मिली। हादसा किस वजह से हुआ, यह अभी साफ नहीं है। विकनेल चिवायो इंटराट्रेक जिम्बाब्वे के संस्थापक थे। यह कंपनी एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्रोजेक्ट्स में काम करती थी। चिवायो ग्वांडा सोलर प्रोजेक्ट जैसे सरकारी ठेकों को लेकर चर्चा में रहे। वे अपनी शानदार जीवनशैली और सोशल मीडिया पोस्ट के लिए भी जाने जाते रहे हैं। चिवायो महंगी कारों और लक्जरी हेलीकॉप्टरों के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करते रहे हैं। चिवायो दक्षिण अफ्रीका के

-शेष पृष्ठ छह पर

युद्ध और संघर्ष के दौर में महात्मा गांधी का शांति व अहिंसा का संदेश अधिक प्रासंगिक : मुर्मु

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष का माहौल है और ऐसे समय में महात्मा गांधी का शांति एवं अहिंसा का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि वह देशवासियों की ओर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करती हैं। उन्होंने कहा कि गांधीजी के जीवन और आदर्शों का विश्व समुदाय व्यापक रूप से सम्मान करता है। मुर्मु



बढ़ रहा है। इस यात्रा में सहानुभूति और समवेशिता के मूल्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि कोई भी नागरिक विकास के लाभों से

-शेष पृष्ठ छह पर

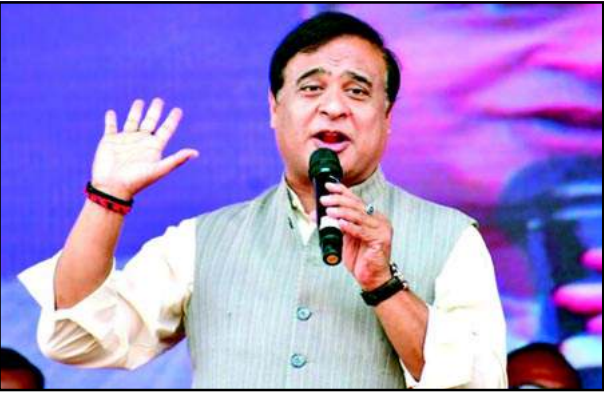
मौत की सजा पाने वाली महिला पर जानलेवा इंजेक्शन का असर नहीं हुआ : रिपोर्ट

मॉस्को (हि.स./रिया नोवोस्ती)। अमेरिका में मौत की सजा पाने वाली क्रिस्टा गेल पाइक पर दो बार जानलेवा इंजेक्शन का असर नहीं हुआ और उन्हें मारने की कोशिश नाकाम रही। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला को पेंटागॉन बिल की दो डोज दी गई लेकिन आखिरी डोज दिए जाने के 40 मिनट बाद भी वह जिंदा थी। फॉक्स न्यूज ने पाइक के वकील के हवाले से बताया कि, गवाहों को उस जगह से हटा दिया गया जहां सजा दी जानी थी, जिसके बाद टेनेसी डिपार्टमेंट ऑफ करेक्शंस ने पुष्टि की कि पाइक जिंदा बच गई हैं। पाइक को 1995 में 19 साल की एक महिला की हत्या का दोषी ठहराया गया था। टेनेसी में वह 200 से ज्यादा सालों में मौत की सजा पाने वाली पहली महिला बनने वाली थीं। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना के बाद टेनेसी के गवर्नर बिल ली ने आदेश दिया कि साल के अंत तक मौत की सजा देने की प्रक्रिया रोक दी जाए। ली ने कहा कि कानूनी तौर पर दी गई सजा को लागू करना राज्य की सबसे गंभीर जिम्मेदारियों में से एक है और टेनेसी के लोग उम्मीद करते हैं कि यह काम ऐसे तरीके से किया जाए जो न सिर्फ कानूनी और संवैधानिक हो बल्कि असरदार

-शेष पृष्ठ छह पर

रकিবुल की टिप्पणी को लेकर सीएम का तंज, कहा- बिरयानी खाने के लिए पैदा हुए लोग जानवर हैं

नागांव। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद रकौबुल हुसैन की उस टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि बिरयानी खाने के लिए पैदा हुए लोग जानवर हैं। रकौबुल हुसैन ने कहा था कि भागवान ने उन्हें इस व्यंजन का आनंद लेने के लिए दुनिया में भेजा है। 6 अक्टूबर को होने वाले नागांव लोकसभा उपचुनाव से पहले दोनों नेताओं के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है, जब मुख्यमंत्री ने विपक्षी दल के नेता को बकासुर कहा, जो अपनी भूख के लिए प्रसिद्ध एक पौराणिक राक्षस है, और उन पर सरकारी योजनाओं के लिए आवंटित धन को हड़पने का आरोप लगाया। इसके जवाब में, धुबड़ी के सांसद हुसैन ने व्यंग्यपूर्ण टिप्पणी की थी कि भागवान ने उन्हें इस दुनिया में बिरयानी खाने के लिए भेजा है। नागांव लोकसभा क्षेत्र के जुरिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि मां का दूध पीने के लिए पैदा हुए लोग इसान हैं, और बिरयानी खाने के लिए पैदा हुए लोग जानवर हैं। भाजपा नेता ने कांग्रेस विधायक नूरूल हुदा पर उपचुनाव वाले लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अपने रूपोहिहाट विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कोई काम न करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि कॉलेज, स्कूल, सड़कों के विकास और महिलाओं



को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में उनकी कोई भूमिका नहीं है। हर घर में नल लगाने का वादा किया गया था, लेकिन उसमें कभी पानी नहीं आया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हुडा ने निर्वाचन क्षेत्र में सिर्फ पाइप और वादे ही छोड़े हैं। शर्मा ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि नागांव ने धोखे की भांप लिया है और इस बार उसे ईवीएम के जरिए जवाब देना होगा। भाजपा उम्मीदवार देवाशीष शर्मा के लिए प्रचार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मैंने नागांव लोकसभा क्षेत्र में तीन विशाल रैलियों को संबोधित किया। जमीनी हकीकत को देखते हुए मेरा मानना है कि जिन लोगों ने कुछ इलाकों में कांग्रेस को वोट दिया है, उन्हें यह एहसास हो गया है कि सुशासन देने वाली एकमात्र

-शेष पृष्ठ छह पर

निजुत मोइना : 12 से छात्रों को वित्तीय सहायता वितरित करेगी राज्य सरकार



गुवाहाटी। असम सरकार मुख्यमंत्री निजुत मोइना योजना के तहत 12 अक्टूबर को वित्तीय सहायता जारी करेगी, जिससे चालू शैक्षणिक वर्ष के दौरान माध्यमिक और उच्च शिक्षा स्तर पर नामांकित छात्रों को मासिक सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले 2,48,263 लाभार्थियों को वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। भुगतान अक्टूबर से शुरू होगा और कम से कम 10 महीने की अवधि तक जारी रहेगा। इस योजना के तहत स्नातक छात्रों को प्रति माह 1,250 रुपए मिलेंगे, जबकि स्नातकोत्तर और बी.एड. के छात्रों को प्रति माह 2,500 रुपए प्रदान किए जाएंगे। इस योजना के तहत कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों को प्रति माह 800 मिलेंगे।

-शेष पृष्ठ छह पर

एम्बुलेंस सिर्फ 30 सेकंड के लिए रुकी थी, मरीज की मौत का काफिले से कोई संबंध नहीं है : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के काफिले को रास्ता देने के लिए सिलचर में रोकी गई 108 नंबर की एम्बुलेंस में ले जाए जा रहे एक मरीज की गुरुवार सुबह सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में मौत हो गई, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया। श्रीभूमि जिले के बांगर निवासी रसुलज चक्रवर्ती लीवर संबंधी बीमारी से पीड़ित थे और उनकी हालत गंभीर होने के बाद बुधवार को उन्हें उन्नत उपचार के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल



लाया गया था। खबरों के मुताबिक, मुख्यमंत्री चक्रवर्ती को ले जा रही एम्बुलेंस को सिलचर के रामनगर आईएसबीटी प्वाइंट

-शेष पृष्ठ छह पर

कन्नूर में राज्य के खेल मंत्री की गाड़ी पर हमला

तिरुवनन्तपुरम। केरलम के कन्नूर से विरोध प्रदर्शन के दौरान राज्य के खेल व पुरातत्व मंत्री ओजे जनीश के वाहन पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के कार्यकर्ताओं ने मंत्री के कासरगोड जाते समय उनके वाहन को धेरकर पथराव किा। युवा कांग्रेस ने कार पर पथराव का आरोप लगाया है, जिससे वाहन का झंडा और रैग गई क्षतिग्रस्त हो गए। घटना

-शेष पृष्ठ छह पर

सुरक्षा को लेकर नगा ग्रुप ने दी धमकी, कहा- अगर केंद्र और मणिपुर सरकार ने कुछ नहीं किया तो लेंगे चीन की मदद

इंफाल। मणिपुर में तंगखुल नगा छात्रों और सिविल सोसाइटी ग्रुप ने चेतावनी दी है कि भारत-म्यांमार सीमा के संवेदनशील इलाकों में नगा नागरिकों की अनदेखी उन्हें चीन समेत पड़ोसी देशों से मदद मांगने के लिए मजबूर कर सकती है। उन्होंने मंगलवार को केंद्र और राज्य सरकार से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की। इंफाल में तंगखुल अजे कतमानाओ लॉग (टीएकेएल)



जिसे सदरन तंगखुल स्टूडेंट्स यूनियन के नाम से भी जाना जाता है के प्रेसिडेंट यारचूइसो

-शेष पृष्ठ छह पर

सुपारी माफिया विजय सिंह डागा के यहां भी छापेमारी

और उनके कथित सहयोगियों विनय बर्मन तथा संदीप बैद से जुड़े परिसरों की भी जांच की गई। इसके अलावा गुवाहाटी स्थित परिवहन एवं माल ढुलाई से जुड़ी कंपनियों जय कर्णा ट्रेडिंग्स प्राइवेट लिमिटेड और



पूर्वोत्तर एग्रो प्राइवेट लिमिटेड तथा कारोबारी नवरत्न बैद से जुड़े परिसरों को भी तलाशी के दायरे में रखा गया। जहां छापेमारी हुई है उनमें सुपारी किंग विजय डागा का भी नाम है। स्थानीय लोगों के नाम पर कंपनियां बनाने का आरोप जांच एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, कथित गिरोह द्वारा कुछ कंपनियों के वास्तविक संचालन और वित्तीय गतिविधियों को छिपाने के लिए स्थानीय लोगों को नाममात्र का मालिक बनाया गया। इन कंपनियों के माध्यम से कथित तौर पर सैकड़ों करोड़ रुपए का लेन-देन

-शेष पृष्ठ छह पर

किया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि असम के लोग शांति से हैं क्योंकि वर्दीधारी व्यक्ति चौबीसों घंटे सातों दिन पहरा दे रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पुलिसकर्मों निस्वार्थ भाव से जनता की सेवा करना जारी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि राज्य में शांति और सुरक्षा बनी रहे। असम पुलिस दिवस प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को बल के इतिहास, सेवा और वीरता को याद करने के लिए मनाया जाता है।



और सुरक्षा बनी रहे। असम पुलिस दिवस प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को बल के इतिहास, सेवा और वीरता को याद करने के लिए मनाया जाता है।

स्मित मच्छर को राज्य सरकार देगी विशिष्ट गुजरात गरिमा पुरस्कार



अहमदाबाद (हि.स.)। फ्लाईडुबई एफजेडा1073 (बोईंग 737 मैक्स 8) में 174 यात्रियों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाने वाले विमान के कैप्टन स्मित मच्छर और भारत के निवासी को गुजरात सरकार विशिष्ट गुजरात गरिमा अवॉर्ड से सम्मानित करेगी। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भारतीय कैप्टन मच्छर के साहस की सराहना करते हुए यह घोषणा की है। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईडुबई की उड़ान संख्या एफजेडा1073 (बोईंग 737 मैक्स 8) में 174 यात्रियों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर की बहादुरी की देश-दुनिया में चर्चा हो रही है। यात्रा के दौरान ओमान के सह-पायलट ने भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर चाकू से हमला कर दिया था, जिसके बाद

-शेष पृष्ठ छह पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

कछार में 8,000 संदिग्ध याबा टैबलेट जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिस)। कछार पुलिस ने विशेष सूचना के आधार पर बिहारतनपुर में अभियान चलाकर करीब एक करोड़ रुपए मूल्य की 8,000 संदिग्ध याबा टैबलेट जब्त की हैं। इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। इसकी जानकारी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा करते हुए कछार पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि असम पुलिस राज्य में मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा, *मुझे पकड़ सकते हो ? कछार पुलिस ने पहले ही पकड़ लिया*। उन्होंने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान को लेकर पुलिस के प्रयासों की प्रशंसा की।

यूपीएससी चयन प्रक्रिया में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बदलाव जरूरी : मोदी

नई दिल्ली (हिस.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की चयन प्रक्रिया को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप ढालने पर जोर देते हुए कहा कि भर्ती परीक्षा में केवल उम्मीदवार का ज्ञान ही नहीं बल्कि यह भी परखा जाना चाहिए कि वह सिविल सेवा में क्यों आना चाहता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए *नेशन फर्स्ट* और *सिटीजन फर्स्ट* चयन की प्रमुख कसौटी होनी चाहिए। यूपीएससी के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत मंडपम में आयोजित शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि 2047 का भारत आज के भारत से बहुत अलग होगा। भारत अधिक शहरी होगा, गांव और शहरों के बीच अंतर कम होगा तथा युवाओं की आकांक्षाएं और अपेक्षाएं कहीं

अधिक बड़ी होंगी। ऐसे में सार्वजनिक सेवाओं को भी आज की त्वरित सेवा वाली दुनिया की गति के अनुरूप काम करना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता हजारों दस्तावेजों को कुछ ही क्षणों में संसाधित कर सकती है और सरकार के पास वास्तविक समय का आंकड़ा उपलब्ध है तो नागरिक भी तेजी से समाधान चाहता है। इसलिए चयन के मानकों और भर्ती प्रक्रिया को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे युवाओं को सार्वजनिक सेवा में लाना जरूरी है जो सरकारी पद से नहीं बल्कि जनसेवा से आकर्षित हों। मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत की कार्य संस्कृति का मूल सिद्धांत *प्रो पापल, प्रोएक्टिव गुड गवर्नंस* होना चाहिए। सरकार को नागरिकों के हितों को सर्वोपरि

रखते हुए काम करना चाहिए और समस्या सामने आने का ईंतजार करने के बजाय उसका पहले से अनुमान लगाकर समाधान तैयार करना चाहिए। उन्होंने *नागरिक देवो भव* का उल्लेख करते हुए कहा कि नागरिक की सेवा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में सिविल सेवकों के सामने सूचना युद्ध, डीपफेक, एल्गोरिथमिक पक्षपात और जलवायु न्याय जैसे नए और जटिल सवाल होंगे। इसलिए चयन प्रक्रिया में जटिल समस्याओं को सुलझाने की क्षमता और दूरदृष्टि को परखने को प्राथमिकता देनी होगी। प्रधानमंत्री ने परीक्षा प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा को केवल एक आयोजन नहीं समझना चाहिए क्योंकि यह युवाओं के भविष्य और उनके जीवन से जुड़ी है। परीक्षा

में कुछ महीनों की देरी से कोचिंग फीस, किराये और परिवहन का खर्च बढ़ता है और परिवारों पर बोझ पड़ता है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली को *टाइम सर्वेनटी* के सिद्धांत को अपनाना चाहिए और मानकों से समझौता किए बिना परीक्षा चक्र को छोटा करना चाहिए। मोदी ने कहा कि यूपीएससी ने परीक्षा चक्र में करीब 100 दिन की कमी की है। प्रधानमंत्री ने यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोगों के बीच बेहतर समन्वय तथा श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को साझा करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सम्मेलन को अधिक उत्पादक बनाने के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर की बेहतर कार्यप्रणालियों का अध्ययन किया जाना चाहिए तथा प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रक्रियाओं की दक्षता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

मदुरांतकम उपचुनाव : मैदान में तेज प्रचार, लेकिन मतदाताओं में नहीं दिख रही खास हलचल

मदुरांतकम (हिस.)। चेंगलपट्ट जिले के मदुरांतकम (आरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में आगामी 6 अक्टूबर को उपचुनाव के लिए मतदान होना है। हालांकि, चुनाव की तारीख नजदीक आने के बावजूद क्षेत्र में अपेक्षित चुनावी हलचल बहुत ज्यादा नजर नहीं आ रही है। स्थानीय लोग अपने रोजमर्रा के कामकाज में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं। उधर, सतारूड तमिलनाा वेत्रि कझगम (टीवीके) के साथ-साथ द्रविड़ मुनेत्र कडगम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कडगम (एआईएडीएमके) समेत विपक्षी दलों ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। क्षेत्र के मतदाताओं का रुख क्या है और वे किन स्थानीय समस्याओं का सामना कर रहे हैं, यह जानने के लिए हिंदुस्थान समाचार तमिल की टीम ने क्षेत्र का जमीनी जायजा लिया। 2026 के विधानसभा चुनाव में मदुरांतकम विधानसभा सीट से एआईएडीएमके के टिकट पर मरगदाम कुमरवेल ने जीत हासिल की थी। बाद में उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा देकर तमिलनाा वेत्रि कझगम (टीवीके) का दामन थाम लिया। उनके इस्तीफे के बाद खाली हुई सीट पर अब उपचुनाव कराया जा रहा है। उपचुनाव में टीवीके की ओर से मरगदाम कुमरवेल, डीएमके की ओर से आई. परंधामन और एआईएडीएमके की ओर से कनिता संपेत समेत कई उम्मीदवार मैदान में हैं। मदुरांतकम विधानसभा क्षेत्र की निवासी कन्म्माल ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि वह लोगों के लिए काम करेंगी, इसलिए हमने पिछले चुनाव में मरगदाम कुमरवेल को वोट दिया था।

रहा में गौरव गोगोई ने किया चुनाव प्रचार

नागांव (हिस)। नागांव लोकसभा उप चुनाव के मद्देनजर असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) अध्यक्ष एवं सांसद गौरव गोगोई ने आज रहा इलाके में जोरदार चुनाव प्रचार किया। उन्होंने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो जेल जाने वाला पहला व्यक्ति ही डॉ. हिमंत विश्व शर्मा होगा। लोग अब भाजपा से डरना छोड़ चुके हैं। यह लोकतंत्र की जीत है। प्रशासन को हेकड़ी दिखाकर प्रशासन के जरिए भाजपा गैरकानूनी काम कर रही है। असम के विभिन्न हिस्सों से सिंडिकेट में शामिल गुंडा गिरोह को लेकर प्रचार में उतारा गया। उन्होंने कहा

No.KAD.5/SOPD/2026-27/ 15

SHORT NOTICE INVITING QUOTATION / TENDER

In pursuance of the KAAC Administrative approval vide no. KAAC/DDIPR/AA-03/Pt.-II/2018-19/06 Dated 30th September, 2026 Sealed. Quotation / Tender on plain paper in two bid system affixing non-refundable money receipt of Rs. 10.00 only of Karbi Anglong Autonomous Council are invited from the reputed KAAC registered contractor / Firms having required experience in Government sector for the following works under SOPD Scheme for the financial year 2026-27 as per specification given in the Scope of Work of each Quotation / Tender document which is to be collected from the office of the undersigned on any working days during office hours.

The Quotation / Tender must reach the undersigned up to 1.00 PM of 8th October, 2026. The Quotation / Tender Box will be opened on the same day or on a subsequent working day if it falls on a Government holiday at 2.00 P.M. The Financial Bids will be opened only in respect of those who qualify the Technical Bids.

EMD/Bid Security for each works is 1% of the total work value for the ST/SC/OBC category Contractor and 2% of the total work value for the General category Contractor.

Sl	Name of works	Amount
1	Procurement of Office furniture for 3 Offices	Rs.3.50 lakh
2	Procurement of Office equipment, Housekeeping, stationery for 3 Offices	Rs.3.20 lakh
3	Conferring of KAAC Excellence Award in Development Journalism	Rs.2.00 lakh
4	Publication of the Book "KAAC Media Chronicle : A History of the Press, Journalism and Journalists of Karbi Anglong and West Karbi Anglong"	Rs.6.00 lakh
5	Procurement of Computer, Printers, related equipments, consumables and accessories for 3 Offices	Rs.9.00 lakh

Sd/-Deputy Director of Information & Public Relations (Hills)
Karbi Anglong, Diphu

No.KAD.5/SOPD/2026-27/ 16

SHORT NOTICE INVITING TENDER

In pursuance of the KAAC Administrative approval vide no. KAAC/DDIPR/AA-03/Pt.-II/2018-19/06 Dated 30th September, 2026 Sealed. Tender on plain paper in two bid system affixing non-refundable money receipt of Rs. 10.00 only of Karbi Anglong Autonomous Council are invited from the reputed KAAC registered contractor / Firms having required experience in Government sector for construction of Boundary Wall, MS Gates & Electrification of IPRD Complex, Diphu under SOPD Scheme for the financial year 2026-27 with estimated value of Rs.20.00 lakh as per specification given in the Scope of Work of Tender document which is to be collected from the office of the undersigned on any working days during office hours. Intending Bidders will have to visit the location.

The Tender must reach the undersigned up to 1.00 PM of 15th October, 2026. The Tender Box will be opened on the same day or on a subsequent working day if it falls on a Government holiday at 2.00 P.M. The Financial Bids will be opened only in respect of those who qualify the Technical Bids.

EMD/Bid Security for each works is 1% of the total work value for the ST/SC/OBC category Contractor and 2% of the total work value for the General category Contractor.

IPRD/KAAC/
2026-27/VBS/61

Sd/-Deputy Director of Information & Public Relations (Hills)
Karbi Anglong, Diphu



অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.92PSC/DR-56/1/2024-2025
This is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold the Screening Test (OMR Based and Conventional Type) for recruitment to the post of **Soil Conservation Ranger under Soil Conservation Department (Advt. No. 25/2025, Dated Guwahati the 4th July, 2025)** as per programme given below :

PROGRAMME OF SCREENING TEST

Sl. No.	Date & Day	Time	Subject (s)	Type of Examination
1	01-11-2026 (Sunday)	10:00 AM to 12:00 Noon	General Knowledge (Paper-I)	OMR Based
		1:30 PM to 4:30 PM	General English (Paper-II)	Conventional Type
2	02-11-2026 (Monday)	10:00 AM to 12:00 Noon	Agriculture/Agriculture Engineering/Horticulture	OMR Based
		1:30 PM to 3:30 PM	Botany	OMR Based
3	03-11-2026 (Tuesday)	10:00 AM to 12:00 Noon	Chemistry	OMR Based
		1:30 PM to 3:30 PM	Civil Engineering	OMR Based
4	04-11-2026 (Wednesday)	10:00 AM to 12:00 Noon	Geology	OMR Based
		1:30 PM to 3:30 PM	Physics	OMR Based
5	07-11-2026 (Saturday)	10:00 AM to 12:00 Noon	Environmental Science	OMR Based
		1:30 PM to 3:30 PM	Forestry	OMR Based

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. The list of candidates shall be uploaded on **12-10-2026** and e-Admission Certificate shall be uploaded on **27-10-2026** in the Commission's official website (**www.apsc.nic.in**). The candidates shall have to download their own e-Admission Certificate from the aforesaid website.

The Commission would like to clarify that the Commission reserves the right to **cancel the candidature of any candidate on verification of their application form** at any time or stage even after the Screening Test, if it is found that they do not fulfill any of the eligibility criteria/conditions as per terms of the **mentioned advertisement**.

PwBD candidates willing to apply for scribe for the said Screening Test may inform in writing with supporting documents to the Commission or send mail to apsc-asm@nic.in on or before 14-10-2026.

Sd/-
Deputy Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR ID/VBS-67/2-Oct-26

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर सीएम ने लोगों से रक्तदान की अपील की

गुवाहाटी (हिस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर लोगों से स्वेच्छ से रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रक्तदान की आवश्यकता को सभी लोग समझ सकते हैं और इसे मानव सेवा के महान संकल्प के रूप में आगे बढ़ाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि *रक्तदान महादान* के संदेश को आत्मसात करते हुए लोगों को इस नेक कार्य में भागीदारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा दिया गया रक्त किसी बीमार व्यक्ति के जीवन में नई उम्मीद ला सकता है।

कोकराझाड़ में 4.6 किलोग्राम गांजा जब्त, तीन व्यक्ति हिरासत में

कोकराझाड़ (हिस)। कोकराझाड़ जिले के बालाजान तीनाली इलाके में पुलिस ने एक अभियान के दौरान 4 किलो 600 ग्राम गांजा जब्त किया। बताया गया है कि गांजा बालाजान तीनाली निवासी सुमित्रा नाथ के घर के परिसर से बरामद किया गया। इस संबंध में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार, इलाके में नशीले पदार्थों की कथित अवैध बिक्री और सेवन से नाराज स्थानीय महिलाओं ने 30 सितंबर की रात सुमित्रा नाथ के आवास पर पहुंचकर विरोध जताया। बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं मौके पर एकत्रित हुईं और घर को घेर लिया। महिलाओं ने कथित तौर पर गांजा बेचने और खरीदने वाले कुछ लोगों को पकड़कर इसकी सूचना पुलिस को दी।

No.DPRD/BTC/(Gen)-279/2024/63

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders with a validity period of 180 (One hundred eighty) days from the date of receipt in prescribed from affixing non-refundable court fee stamps of Rs. 8.25 (Rupees eight and paise twenty five) only subsequently to be drawn up in printed F-2 form are hereby invited from the Govt, registered **PWD (Roads/ Building), Irrigation, Water Resources, PHE** others Govt. Contractor's under Class-I (A, B, C), Class-II and Class-III category from approved firm/ suppliers of 2020-21/2021-22 according to tender limit of eligibility for the following works and will be received in the office of the undersigned up to 2.30 pm on 10/10/2026 and will be opened on the same date and place at 3.00 pm in the presence of willing contractors or their authorized agents.

Sl. No.	Name of Dev. Block	Name of Scheme	AA Amount (in Rs. lakh)	Tender Amount (in Rs. lakh)	Earnest Money (ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	Cost of Tender	Time for completion in days
01.	Udalguri	Const. of community toilet at Gergermakha Roman Catholic Church (AC-128525257)	1785833.00	1785833.00	(ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	@ 330/-	3 months
02.	Udalguri	Const. of community toilet at Pub-Bholabari Chowk (AC-128525249)	1785833.00	1785833.00	(ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	@ 330/-	3 months
03.	Udalguri	Const. of community toilet at Bagchalchuburi Sonaripara (AC-128525273)	1785833.00	1785833.00	(ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	@ 330/-	3 months
04.	Udalguri	Const. of community toilet at Baniapara (AC-128525263)	1785833.00	1785833.00	(ST, SC, OBC-1 % & Gen-2%)	@ 330/-	3 months

Details NIT may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractors or their authorized agent up to 02.00 PM on all working days from 18-09-2026 to 10-10-2026 in the office of the undersigned on payment of in the form of Banker cheque/ Demand draft of any nationalized Bank (Preferable SBI) duly pledged to the **Director, P&RD, BTC, Kokrajhar**. The Cost of tender (Non-Refundable) must be in the form of Demand Draft/ Banker Cheque of a Nationalized Bank drawn in favour of the **Principal Secretary, BTC, Kokrajhar** and payable at **SBI, Kokrajhar** to be deposited **0.03%**.

Sd/-Director,
Panchayat & Rural Development,
BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2026-27/1843



সম্পদে জগত

অসম চৰকাৰ

আন্তঃৰাষ্ট্ৰীয় অহিংসা দিৱস

২ অক্টোবৰ ২০২৬

এই ‘আন্তঃৰাষ্ট্ৰীয় অহিংসা দিৱস’ত পৃথিৱীৰ সকলোৰে সৈতে আমিও অহিংসা আৰু শান্তিৰ বাবে সংকল্প লওঁ আহক

আমি, ব্যক্তি আৰু সমাজৰ মাজত বিশ্বজুৰি শান্তি বৰ্তাই ৰাখিম;

আমি প্ৰকৃতিৰ সৈতে সন্মিলনিলেৰে জীৱন-যাপন কৰিম;

আমি কোনো ধৰণৰ ভয় বা পক্ষপাতিত্ব নকৰাকৈ সত্য আৰু ন্যায়ৰ পক্ষত অটল থাকিম;

আমি আমাৰ ব্যক্তিগত আৰু সামাজিক জীৱনত পাৰস্পৰিক প্ৰেম আৰু অহিংসা বৰ্তাই ৰাখিম;

আমি জাতি, ধৰ্ম, দেশ, ধৰ্মীয় বিশ্বাস, ভাষা বা লিংগ নিৰ্বিশেষে সকলো মানুহক সমানে সন্মান কৰিম;

আমি সকলো ধৰণৰ হিংসাৰ পন্থা আৰু অস্ত্ৰ-শস্ত্ৰ নিৰ্মূল কৰাৰ বাবে কাম কৰিম;

আমি কোনো পৰিস্থিতিতেই হিংসা আৰু অসহিষ্ণুতাক সমৰ্থন নকৰো বা হিংসাৰ আশ্ৰয় নলও;

আমি সকলো মতভেদ আলাপ-আলোচনা আৰু সাংবিধানিক উপায়েৰে সমাধান কৰাৰ বাবে প্ৰয়াস কৰিম; আৰু

আমি আমাৰ সৰ্বশক্তিৰে এনে এখন পৃথিৱী গঢ়ি তোলাৰ বাবে প্ৰচেষ্টা অব্যাহত ৰাখিম, য’ত শান্তি আৰু সম্প্ৰীতি, ন্যায় আৰু সমত, প্ৰেম আৰু একতা প্ৰতিষ্ঠা হয়।

-- DIPR ID/VBS-68/2-Oct-26

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত

Connect with us     @diprassam  dipr.assam.gov.in

संपादकीय

फॉर्म 6 का 'फ़ॉड'

चुनाव

आयोग, खासकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता, विपक्षी आंदोलन और राजनीति के निशाने पर हैं। कांग्रेस कार्यसमिति और शेष विपक्ष की सामूहिक मांग है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को निलंबित किया जाए। यह संभव है, तो उसे रद्द ही कर दिया जाए। अभी तक जिन 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उन्हें बहाल किया जाए। यह कैसे संभव है, क्योंकि उनमें से 2.80 करोड़ से ज्यादा मतदाता तो 'दिवंगत' (मृत) हो चुके हैं। शेष 10.57 करोड़ काटे गए नामों पर चुनाव आयोग को बाध्य किया जाना चाहिए। दिल्ली में यह मामला सामने आया है। 'बेला एस्टेट' में अधिकतर झुग्गी-झोपडियां थीं। लोगों ने अवैध अतिक्रमण किए हुए थे और वे वहां बसे हुए थे। 2022-23 में उन झुगियों को तोड़ दिया गया। वहां 728 वैध मतदाता रहते थे, जिनके पास चुनाव आयोग की मान्यता थी और वे लगातार मतदान करते रहे थे। झुगियां टूटीं, तो वे बेघर हो गए। एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ को उस जगह कोई नहीं मिला। किसी एक ने 'मतदाता पहचान पत्र' दिखाया। नतीजतन 728 में से 727 मतदाताओं के नाम काट दिए गए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उन

बेघरों के पास गए और मोबाइल पर ईआरओ से पूछा कि इतने नाम किस आधार पर काट दिए गए? बहरहाल जब यह खबर टीवी चैनलों और अखबारों की सुर्खियों में आ गई कि 'बेला एस्टेट' के बेघर परिवार फ्लाईओवर के नीचे जीने को विवश हैं, तो चुनाव आयोग ने अपने बीएलओ भी वहां भेजे। कटे हुए नामों के उन लोगों को 'फॉर्म 6' भर कर 'नया मतदाता' बनने की सलाह दी गई। खबर बताई जाती है कि 418 लोगों से 'फॉर्म 6' भरवा भी लिए गए हैं। अब नई मतदाता-सूची में उनके नाम भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने यह 'संवैधानिक फ़ॉड' खेला है। फॉर्म 6 उन लोगों के लिए है, जो बिल्कुल पहली बार मतदाता बनना चाहते हैं। वे पहले कभी भी मतदाता न रहे हों। ऐसा घोषणा-पत्र भी भर कर हस्ताक्षर करने पड़ते हैं। लेकिन ये तो पहले भी मतदाता रहे हैं और उन्होंने एसआईआर में 'अधिकृत फॉर्म' भी भरा था। क्या यह संवैधानिक कवायब है? यदि 418 काटे गए नाम, अंततः, मतदाता बन जायेंगे, तो शेष लोग भी मतदाता बनाए जा सकते हैं। तो फिर एसआईआर का औचित्य क्या रहा? क्या इस तरह चुनाव आयोग 'फ़ॉड' नहीं कर रहा है और फॉर्म 6 के साथ 'झूठे' घोषणा पत्र भी नहीं भरवा रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जानकारी में यह पूरा मामला है, लिहाजा उनका आंदोलन सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता के इस्तीफे पर केंद्रित है। राहुल को यकीन है कि अंततः प्रधानमंत्री मोदी ही सीईसी का इस्तीफा करवाएंगे, क्योंकि ज्ञानेश तो उन्हीं की 'कठपुतली' हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे ने तो प्रधानमंत्री का ही इस्तीफा मांग लिया है। फॉर्म 6 के इस कथित फजीयान्ड में भाजपा के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा भी फंसे हैं। वह जब राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे, तो वह पंजाब के मतदाता थे और 'आप' के प्रत्याशी थे, लेकिन बाद में 'आप' के 7 राज्यसभा सांसद पालाबदल कर भाजपा में शामिल हो गए, तो अब उन्हें दिल्ली का मतदाता बनना प गया है। इसमें कोई अपराध नहीं है, क्योंकि व्यक्ति स्थानांतरित होता है, तो मतदाता भी बदला जा सकता है। अलबत्ता संवैधानिक हेराफेरी न की जाए। बताया जाता है फॉर्म 6 उन लोगों के लिए है, जो बिल्कुल पहली बार मतदाता बनना चाहते हैं।

भी पार्टी ने की है। दरअसल एसआईआर का मुद्दा बेहद पेचीदा हो गया है। दिल्ली में ही 9 लाख से अधिक बांग्लादेशी बस चुके हैं। वे अभी तक मतदाता भी बने रहे हैं। सवाल यह है कि चुनाव आयोग ने उन्हें एसआईआर के दौरान क्या चिह्नित किया है? सर्वोच्च अदालत में यह मामला विचाराधीन है और एक मामले में तो एसआईआर को 'अवैध' करार देने की भी मांग की गई है। जो भी हश्र होगा, देखा जाएगा, लेकिन इस मुद्दे ने हमारी राजनीति को बिल्कुल विभाजित और विषाक्त बना दिया है। विपक्ष को चुनाव आयोग की मनमानीयों परसंद नहीं है और सारा देश इस मसले पर आंदोलित है। विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी लेकर आ रहा है। हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त को महाभियोग के जरिए हटाना आसान नहीं है, क्योंकि विपक्ष के पास वांछित बहुमत नहीं है, फिर भी इसके जरिए चुनाव आयोग के खिलाफ एक तरह का माहौल तो बन ही रहा है।

कुछ

अलग

क्या सस्ता युग आ गया है बंधु

उम्मीद

नहीं है, लेकिन उम्मीद रखने के लिए कहा जा रहा है। घुप्ट अंधेरा फिर भी फानूस की रौशनी करके जगमग को जगमगा बनाया जा रहा है। देश डिजिटल हो रहा है। इंटरनेट ताकत के गोड़े पर सवार हो रहा है, लेकिन ग्रामीण भारत के स्कूलों में एक अध्यापक आज भी डुक-1 पांच कक्षाएं पढ़ा रहा है। गर्मनाला की पहचान तो न रखने वाले भाषा विज्ञानी बने हुए हैं और पहाड़ रटने को उम्र में केलकुलेटर जान का सहारा लेकर गणित बन रहे हैं। देश शिक्षित हो गया है, यह हम उम पीढ़ी को बताते हैं जो शिक्षा परिसरों को छोड़ कर अपेक्षित बीजा बंड के लिए कदम-कदम पर खुलती नई अवसरियों में टिकाना तलाशती है। सत समुद्र पार जाने के उसके रास्ते में न जाने कितने प्रतिबंधों की चीन की दीवार खड़ी कर दी गई। नौजवान जंगलों में भटक कर डंडी बन कर उस भरी पर जगह तलाश रहे हैं जहां उनका कोई ईंतजार नहीं करता, कोई आमंत्रण नहीं देता, फिर भी पीड़ लगी है।

दृष्टि

कोण

जिस

शेख हसीना ने फिश डिप्लोमेसी की शुरुआत की थी, वो अब राजनीति के जल से बाहर है। हिलसा बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है। स्थानीय लोग इसे इलिश कहते हैं। स्वाद में बेजोड़ होने की वजह से इसे मछलियों की रानी भी माना जाता है। इलिश के बर्बर 'ई' पार बांग्ला या ओई पार बॉल्ला' की जन्त राह नहीं सकती। वीते 26 सितंबर 2026 के दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन में हिलसा फेस्टिवल आयोजित हुआ था, जिसमें कुछ वरिष्ठ राजनेता, राजनिक, पत्रकार, शिक्षाविद् और सांस्कृतिक हस्तियां शामिल हुईं। उस हिलसा फेस्टिवल में तबे पर हिलसा फ्राई का मेहमानों ते तुफ़ उठाया। चायनक्वपुरी स्थित दुतावास के मैत्री ऑडिटोरियम में आयोजित इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य फूट एवं कलिनरी डिप्लोमेसी के जरिए भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ करना था। इस अवसर पर बाका से प्रकाशित एक विशेष पुस्तक 'ए फिश कॉलड इलिश' का विमोचन भी भारतीय हस्तियों द्वारा किया गया। उत्सव में आए मेहमानों को हिलसा मछली से बने विभिन्न प्रकार के पारंपरिक बंगाली व्यंजन, जैसे सरदो हिलसा, फ्राइड हिलसा आदि, के साथ-साथ पारंपरिक बांग्लादेशी भोजन परोसा गया। बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम. रिंजान हामिदुल्लाह ने इस अवसर पर कहा कि हिलसा सिर्फ एक मछली नहीं है, बल्कि यह बांग्लादेश की पहचान, समाज और अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ी हुई है। यह आोजन ऐसे समय में किया गया है, जब दोनों देशों के बीच हिलसा के व्यापारिक समीकरणों को लेकर कई कूटनीतिक चर्चाएं चल रही हैं। वर्ष

के जरिए भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ करना था। इस अवसर पर बाका से प्रकाशित एक विशेष पुस्तक 'ए फिश कॉलड इलिश' का विमोचन भी भारतीय हस्तियों द्वारा किया गया। उत्सव में आए मेहमानों को हिलसा मछली से बने विभिन्न प्रकार के पारंपरिक बंगाली व्यंजन, जैसे सरदो हिलसा, फ्राइड हिलसा आदि, के साथ-साथ पारंपरिक बांग्लादेशी भोजन परोसा गया। बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम. रिंजान हामिदुल्लाह ने इस अवसर पर कहा कि हिलसा सिर्फ एक मछली नहीं है, बल्कि यह बांग्लादेश की पहचान, समाज और अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ी हुई है। यह आोजन ऐसे समय में किया गया है, जब दोनों देशों के बीच हिलसा के व्यापारिक समीकरणों को लेकर कई कूटनीतिक चर्चाएं चल रही हैं। वर्ष



1991 के बाद से बांग्लादेश और भारत के बीच संबंधों में उतार-चढ़ाव इन दोनों देशों के राजनेताओं के सत्ता में आने-जाने के साथ बदलते रहे हैं। शायद किसी को याद हो कि 19 मार्च 1998 को बीजेपी के दोबारा

सत्ता में आने के बाद बांग्लादेश के तत्कालीन विदेश मंत्री आनन-फानन में नई दिल्ली पहुंचे थे। यह भूलकर कि पार्टी महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि देश का स्थायी हित महत्वपूर्ण है। उन दिनों शेख हसीना

सत्ता में थीं। 16 मई से 1 जून 1996 तक अटल बिहारी वाजपेयी की 16 दिनों की पहली टमं वाली सरकार को उन्होंने हल्के में लिया था। भारत में कई लोग ऐसा मानते हैं कि 1971 में भारत ने जो कुर्बानी दी थी, बांग्लादेश ने उसके लिए पर्याप्त आभार नहीं जताया। शायद ही कोई इस बात से इनकार करेगा कि भारत में कर पाटियों वाली समावेशी सरकार के समय दोनों देशों के रिश्ते बहुत लिचले स्तर पर थे। उस दौरान विदेश मंत्री स्तर की किसी दिप्लोमसी की बात तो दूर, सरकार प्रमुख की यात्रा तक नहीं हुई थी। केद्र में सत्ता मजबूत होती है, तो रिश्ते भी बदलते हैं। शेख हसीना, 'जैसी बहो बयार, पीच तब तैसी कीजिए', वाली राजनेता रही हैं। दक्षिण एशिया में 'हिलसा डिप्लोमेसी' की शुरुआत 1996 में सद्भावना और सहयोग के इरादे से हुई

थी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 1996 की ऐतिहासिक गंगा जल बंटवारा संधि से ठीक पहले, सद्भावना के एक सूचे-समझे कदम के तौर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ज्योति बसु को हिलसा मछली की एक खेप भेजी थी। 12 दिसंबर 1996 को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके भारतीय समकक्ष एच. डी. देवेगौड़ा के बीच हुई 30 साल की इस संधि ने जनवरी-मई के सूखे मौसम के दौरान गंगा के पानी के बंटवारे का एक ढांचा तैयार किया था। इस दौरान नदी का बहाव काफी कम हो जाता है। भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में हुई गंगा जल संधि 11 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है। वर्ष 1996 के बाद उभयपक्षीय परिस्थितियां काफी बदलती हैं।

वर्षों को इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गणित, डिफेंस अध्ययन तथा गीत-संगीत व खेलों से जुड़ी रोजगार संभावनाओं के लिए तैयार करेंगे। हिमाचल से शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए आज भी पलायन हो रहा है, तो गुणवत्ता का हर प्रश्न निजी संस्थानों में भी खामियां देख रहा है।

संपादकीय

गांधी जयंती - 2 अक्टूबर, 2026 पर विशेष

गांधी का पुनर्जन्म ही नहीं, गांधी-दृष्टि का पुनर्जागरण हो

महात्मा

गांधी को याद करना केवल अतीत के एक महान व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि देना नहीं है, बल्कि अपने वर्तमान की दिशा और भविष्य की दशा पर विचार करना भी है। गांधी किसी एक कालखंड, राजनीतिक दल या विचारधारा की संपत्ति नहीं हैं। वे एक ऐसे जीवन-दर्शन का नाम हैं, जिसकी धुरी सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन, स्वावलंबन, सेवा, स्वदेशी, ग्रामोदय, सामाजिक समरसता और मानव-मर्यादा हैं। इसलिए आज आवश्यकता गांधी के पुनर्जन्म की ही नहीं, गांधी-दृष्टि के पुनर्जागरण की है। गांधी को जितना इतिहास में खोजेंगे, उतना ही वे अतीत के लगेंगे; उन्हें वर्तमान के प्रश्नों से जोड़ेगे तो वे भविष्य के मार्गदर्शक बन जाएंगे। क्योंकि महात्मा गांधी बीसवीं शताब्दी में दुनिया के सबसे सशक्त, बड़े एवं प्रभावी नेता के रूप में उभरे, वे बापू एवं राष्ट्रपिता के रूप में लोकप्रिय हुए, वे एक रचनात्मक व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने ही मूल्यों के बल पर देश को आजादी दिलाई, नैतिक एवं स्वस्थ मूल्यों के स्थापित किया। उनके द्वारा निर्गुप्त सिद्धान्त आज की दुनिया की विडम्बना देखिये गांधी की हम बार-बार कटघरे में खड़ा करते हैं और उनकी छवि को धुंधलाने की कोशिश में कोई कमी नहीं छोड़ते। जो मानसिकता गोली मार सकती है, वह गोली दे तो क्या आश्चर्य? पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती।

दुनिया से

देश

ब्रिक्स देशों को नए अमेरिकी टैरिफ कानून की चुनौती

अमेरिकी

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से पारित 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंसॉर्निंग रेशिया एंड ईरान एक्ट 2026' पर हस्ताक्षर करने के बाद अब यह अमेरिकी कानून बन गया है। इससे राष्ट्रपति के लिए एजीमुय्रिव ऑर्डर पर निर्भर रहने से जुड़ी कानूनी जटिलताएं खत्म हो गईं। यह कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को न केवल रूस व ईरान पर प्रतिबंध लगाने का हक देता है, बल्कि रूस के कुल वैश्विक तेल निर्यात का 15 प्रतिशत से अधिक आयत करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का भी अधिकार देता है। रूसी तेल और गैस के शीर्ष खरीदारों में भारत और चीन शामिल हैं, तो यह कानून इनके लिए चेतावनी है। रूस की विपक्ष स्तर पर बिक्री से भारत 37 प्रतिशत और चीन 50 फीसदी तेल आयात करता है, जो उनकी आबादी की जरूरतों के लिए आवश्यक हैं। बिल पारित होने के बाद भारत, चीन और रूस की कड़ी आपत्तियों और भारत द्वारा द्विपक्षीय संबंधों तथा अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों की चेतावनी के बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति ने बिना किसी हिचकिचाहट हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दिया। रूस के साथ गंभीर भू-राजनीतिक मतभेद होने के कारण, अमेरिका अपने और अपने सहयोगियों के लिए रूसी और ईरानी तेल का बहिष्कार करने वाले ऐसे कानून बना सकता है, लेकिन अमेरिका को अन्य संप्रभु देशों को उन देशों से अमेरिका को निर्यातों पर भारी टैरिफ लगाकर इस मुहिम में शामिल होने के लिए मजबूर करने का कोई हक नहीं। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नियमों के उलट है। वे अपनी आबादी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए सबसे



अच्छे और किफायती स्रोतों से ऊर्जा पदार्थ आयात करने के लिए स्वीकृत हैं। भारत के पेट्रोलियम प्लांजिंग एंड एनर्जिस सेल के अनुसार, अप्रैल और अगस्त 2026 के बीच कच्चे तेल का आयात 100,669 हजार मीट्रिक टन और एलपीजी का आयात 4,992 हजार मीट्रिक टन था। ट्रेडईट के इम्पोर्ट डेटा और 'बिल ऑफ लैंडिंग' डेटाबेस से पता चलता है कि 2026 की शुरुआत में भारत ने अपने कच्चे तेल के कुल आयात में से इराक से 19.89 प्रतिशत, रूस से 17.92 प्रतिशत, सऊदी अरब से 16.03 प्रतिशत, यूएई से 11 प्रतिशत, न्यूजीलैंड से 6.95 प्रतिशत, ब्राजील से 5.04 प्रतिशत, अंगोला से 4.49 प्रतिशत, नाइजीरिया से 3.93 प्रतिशत, यूएसए से 3.51 प्रतिशत और कुवैत से 2.93 प्रतिशत कच्चा तेल खरीदा। हालांकि, अप्रैल-अगस्त 2026 के दौरान इराक से होने वाली शिपमेंट में बड़ी रकबावटों के कारण अगस्त 2026 तक रूस से कुल इम्पोर्ट बढ़कर लगभग 45 प्रतिशत हो गया था। रूस की जगह अमेरिका खुद को तेल व गैस के वैकल्पिक स्रोत के तौर पर पेश करता है।

अमेरिका की नीति का समर्थन करते हैं। रूसी तेल आयात का आकलन करने का तरीका भी एक राजनीतिक पहलू है। किसी देश के कुल ऊर्जा आयात में रूसी कच्ची गैस की हिस्सेदारी के प्रतिशत को देखने के बजाय रूस के कुल वैश्विक ऊर्जा निर्यात में उस देश का रूस से आयात प्रतिशत देखा जाता है। यूरोप सामूहिक रूप से रूस के वैश्विक गैस निर्यात का लगभग आधा हिस्सा लेकर रूसी गैस का सबसे बड़ा वैश्विक खरीदार है। सवाल है कि अगर इस कानून का मकसद रूस के 'युद्ध कृत' को नियंत्रित करना है, तो फिर 15 प्रतिशत की सीमा की शर्त क्यों? यूरोपीय देश काफी हद तक अमेरिकी नीति के साथ चलते हैं। नेताजी, उन देशों को अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों के अनुसार और भारत के मुकाबले अमेरिकी तेल पर कम बाधा लागत होने से रूसी तेल की जगह अमेरिकी तेल खरीदने में ज्यादा परेशानी नहीं है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मसूद पैजेरिकयन की पूर्ण सदस्य के रूप में उपस्थिति, ब्रिक्स घोषणापत्र में एकतरफा दबाव वाले उपायों की निंदा, बहुपक्षवाद व बहु-ध्रुवीयता के प्रति प्रतिबद्धता, सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार, भूमिगत और मैरीजिंग चैनलों के लिए सीमा-पार इंटरऑपरिबिलिटी, और ब्रिक्स की स्थानीय मुद्दाओं का उपयोग जैसे कारकों ने बिल को चलने को मजबूर करवा है। यह एक तरफ भारत व चीन के खिलाफ 'व्यापार को हथियार बनाने' और दूसरी तरफ रूस और ईरान के खिलाफ व्यापार युद्ध की राजनीति है। इस कानून का दिलचस्प पहलू है कि इसमें उन देशों को छूट दी गई है जो रूस के कुल वैश्विक ऊर्जा निर्यात का 15 प्रतिशत से कम खरीदते हैं। इन देशों में जपान, फ्रांस, बेलजियम और अन्य यूरोपीय देश शामिल हैं, जो रूस-यूक्रेन युद्ध पर

शिक्षा

यही सच हुआ जब सोलन में जुटे निजी विश्वविद्यालयों के समक्ष यह तस्वीर उभरी। उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता के मापदंड तय करती सरकार ने कम से कम निजी विश्वविद्यालयों के प्रयासों में हिमाचल के नए मानदंड देखे, तो यह एक अच्छी शुरुआत है। वेशक हिमाचल अब निजी क्षेत्र के योगदान व उपलब्धियों में साझेदारी देख रहा है, फिर भी यहां सार्वजनिक क्षेत्र के विकास से सिपासी महत्वाकांक्षा पूरी होती है। हिमाचल में सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, तकनीकी शिक्षा संस्थान, मेडिकल, इंजीनियरिंग व बीएड संस्थान आदि के अनुपात में भारतवर्ष में सबसे श्रेष्ठ है। यह दीगर है कि अत्यधिक प्रसार ने गुणवत्ता और प्रासंगिकता के प्रश्न गहरे किए हैं। निश्चित रूप से सरकारी संस्थानों की अहमियत बढ़ाने के कई फैसलों में दिखाई दिया। सरकार ने कुछ अप्रासंगिक स्कूल-कॉलेज जो तो समाहित किए गए थे, या उन्हें बंद किया। सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम की तलाश पैदा करने के लिए, करीब डेढ़ सौ स्कूल चिन्हित किए, तो यह प्रयोग नई ऊष्मा देता है। कॉलेजों में उत्कृष्टता लाने के लिए अगर हमीरपुर में साईंस महाविद्यालय स्थापित किया जा रहा है, तो यह शिक्षा की नई ख्वाहिश है जो तरह-तरह विषयों पर केंद्रित राय स्तरीय कॉलेजों के लिए जगह बनाएगा। बावजूद इसके कि सरकार सार्वजनिक शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता के आधार पर बदलाव चाहती है, कुछ ऐसे स्थानों पर स्नाकोत्तर शिक्षा के विषय चलाए जा रहे हैं, जहां छात्रों का मानसिक विकास असंभव है। हर कालेज को पोस्ट ग्रेजुएट करने के बजाय उच्च शिक्षा के मानदंड उच्च रखने होंगे। घुमारवीं में दर्जन भर विषयों में स्नाकोत्तर स्तर की पढ़ाई से अच्छा होता अगर वहां छात्रों के उत्साह में प्रतिस्पर्धा, नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा के तत्व भरें जाते। हिमाचल में तकनीकी व मेडिकल यूनिवर्सिटी से ये अपेक्षा है कि पाठ्यक्रम का वांछित पक्ष जमीन पर दिखे। हम अपने शहरों की योजनाओं में नए तकनीक और विकल्प पैदा नहीं कर पा रहे, तो शैक्षणिक संदर्भों की पड़ताल होनी चाहिए। हिमाचल ने विकास के नाम पर कई परंपराएं, मान्यताएं तथा धरोहर महत्त्व खोया है। हम बीबीएन के विकास में अध्ययन की संभावना या शिक्षा की प्रासंगिकता नहीं जोड़ पा रहे, तो इस खालीपन को भरना होगा। आखिर रोजगार कार्यालयों में फंसे बाहर लाख के लगभग मानव संसाधन की शिक्षा का स्तर क्यों पंगु बना है। वेशक सोलन की संरणा में निजी विश्वविद्यालयों के खाके से विज्ञान, पर्यटन, कृषि, बागवानी, अक्षय ऊर्जा, आपदा, जलवायु परिवर्तन तथा जल संरक्षण जैसे जटिल प्रश्नों पर भूमिका का विस्तार हुआ। लेकिन कुछ पाठ्यक्रम इससे इतर हिमाचल से पढ़ाई का स्तर छूटते हैं। अर्थशास्त्र या ग्रामीण आर्थिकी के विषयों पर जिस पढ़ाई का स्तर स्कूल से कॉलेज तक होना चाहिए, उसे कौन बताएगा। निजी स्कूलों से निजी विश्वविद्यालयों तक शिक्षा का उच्चल भविष्य अगर चंद वैज्ञानिक विषय बन रहे हैं, तो स्वावलंबन और रोजगार के नए विषय कौन पढ़ाएगा। हम कम जमीन पर दिखे।

सरकार के कई फैसलों में दिखाई दिया। सरकार ने कुछ अप्रासंगिक स्कूल-कॉलेज या तो समाहित किए या उन्हें बंद किया। सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम की तलाश पैदा करने के लिए, करीब डेढ़ सौ स्कूल चिन्हित किए, तो यह प्रयोग नई ऊष्मा देता है। कॉलेजों में उत्कृष्टता लाने के लिए अगर हमीरपुर में साईंस महाविद्यालय स्थापित किया जा रहा है, तो यह शिक्षा की नई ख्वाहिश है जो तरह-तरह विषयों पर केंद्रित राज्य स्तरीय कॉलेजों के लिए जगह बनाएगा। बावजूद इसके कि सरकार सार्वजनिक शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता के आधार पर बदलाव चाहती है, कुछ ऐसे स्थानों पर स्नाकोत्तर शिक्षा के विषय चलाए जा रहे हैं, जहां छात्रों का मानसिक विकास असंभव है। हर कॉलेज को पोस्ट ग्रेजुएट करने के बजाय उच्च शिक्षा के मानदंड उच्च रखने होंगे। घुमारवीं में दर्जन भर विषयों में स्नाकोत्तर स्तर की पढ़ाई से अच्छा होता अगर वहां छात्रों के उत्साह में प्रतिस्पर्धा, नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा के तत्व भरें जाते। हिमाचल में तकनीकी व मेडिकल यूनिवर्सिटी से ये अपेक्षा है कि पाठ्यक्रम का वांछित पक्ष रोजगार के नए विषय कौन पढ़ाएगा। हम कम जमीन पर दिखे।

आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, आर्थिक असमानता, जलवायु संकट और अविवशता की चुनौतियों से जूझ रही है। तकनीक ने मानव की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन क्या उसने मानवता वड़ाई है-यह बड़ा प्रश्न है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर परमाणु हथियारों तक, मनुष्य ने अभूतपूर्व शक्ति हासिल की है; लेकिन शक्ति के साथ संयम, करुणा और नैतिकता न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन सकती है। गांधी का संदेश इसलिए आज और महत्वपूर्ण है कि उन्होंने साधन और साध्य की पवित्रता को एक-दूसरे से अलग नहीं किया। गांधी को किसी एक राजनीतिक खेमे में बांधना उनके विराट व्यक्तित्व को छोटा करना है। गांधी को केवल कांग्रेस, केवल स्वतंत्रता आंदोलन, केवल खादी या केवल किसी एक राजनीतिक व्याख्या से सीमित करना उनके वैश्विक स्वरूप के साथ न्याय नहीं है। गांधी भारत की आत्मा से निकले और मानवता की चेतना का हिस्सा बने। वे सीमाओं से आबद्ध नहीं हैं। वे अतीत के हैं, लेकिन शक्ति अतीत के नहीं हैं। वे आज के हैं और आने वाले हर काल के लिए उपयोगी हैं। भारत जब विश्व में अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है, तब गांधी-दर्शन उसके लिए नैतिक पूंजी बन सकता है। आर्थिक शक्ति भारत को प्रभावशाली बना सकती है, तकनीकी शक्ति उसे सक्षम बना सकती है और सामरिक शक्ति उसे सुरक्षित कर सकती है; लेकिन नैतिक शक्ति ही भारत को विश्वसनीय बना सकती है। विश्ववातु होने का अर्थ दुनिया पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि दुनिया के सामने ऐसा जीवन-मूल्य प्रस्तुत करना है जिससे मानवता लाभान्वित हो। गांधी इसी नैतिक नेतृत्व की सबसे बड़ी भारतीय संभावनाओं में से एक हैं। प्रधानमंत्री द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं, लोकवांत्रिक मूल्यों और 'वसुधैव कुटुम्बक' को प्रस्तुत करना इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा सकता है। नए भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल यह नहीं होगी कि भारत की जनता बड़ा आर्थिक राष्ट्र बनता है; बड़ी उपलब्धि यह होगी कि उसकी विकास यात्रा कितनी मानवीय, समावेशी, संवेदनशील और टिकाऊ होती है।

आप का

नजरीया

शैक्षणिक संदर्भों की पड़ताल

गुरदासपुर पुलिस ने सात आधुनिक पिस्तौलें बरामद की, तीन गिरफ्तार

गुरदासपुर (हिस)। गुरदासपुर पुलिस ने अंतरराज्यीय हथियार तस्करी करने वाले रैकेट का पर्दाफाश करते हुए चार व्यक्तियों को सात आधुनिक पिस्तौलों के साथ गिरफ्तार किया है। डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान लवप्रीत सिंह (26), लवप्रीत सिंह (25) और जशनदीप सिंह (25), सभी निवासी सितारगंज, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड और हरजिंदर सिंह (23), निवासी लखन कलां, कलानीर, गुरदासपुर, के रूप में हुई है। बरामद किए गए हथियारों में एक ग्लांक (ऑस्ट्रिया निर्मित), चार .30 बोर (चीन निर्मित) और दो .30 बोर पिस्तौलें सहित आठ मैगजीन शामिल हैं। पुलिस टीमों ने उनकी कार (यूके 16 सी 0040) को भी जब्त कर लिया है, जिसका इस्तेमाल वे आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कर रहे थे।

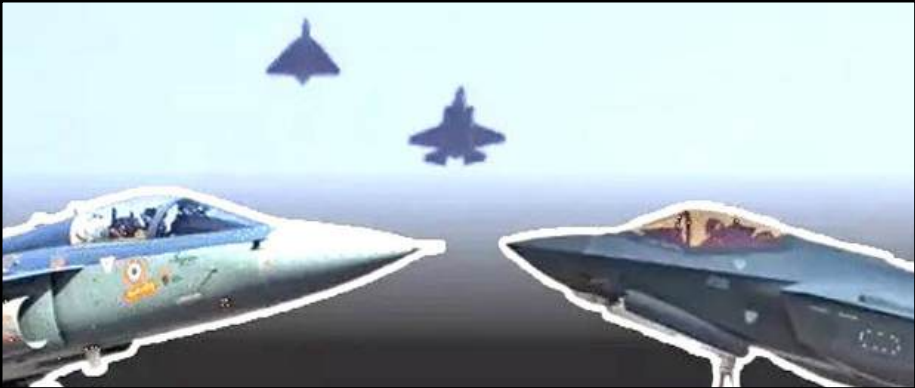
कचरा प्लांट के विरोध में हाईवे जाम रात दो बजे प्रशासन से बनी सहमति



श्रीगंगानगर (हिस)।नरसिंहपुरा-मांझूवास-बिरानी क्षेत्र में प्रस्तावित ठोस कचरा प्रबंधन प्लांट के विरोध में चल रहे आंदोलन के बीच बुधवार देर रात प्रशासन और सांसद हनुमान बेनीवाल के बीच सहमति बन गई। करीब चार घंटे तक सूरगढ़-श्रीगंगानगर राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित रहने के बाद रात करीब दो बजे श्रीगंगानगर उपखंड अधिकारी नयन गौतम प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे और प्रशासन के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की मांगों को जयपुर तक भेजा जाएगा और कचरा प्लांट के संबंध में गठित कमेटे पूरे मामले पर पुनर्विचार कर रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने हाईवे से जाम हटा लिया। दरअसल, प्रस्तावित कचरा प्लांट के विरोध में क्षेत्र के ग्रामीण पिछले करीब पांच महीने से आंदोलन कर रहे हैं। बुधवार को नरसिंहपुरा-बिरानी क्षेत्र में ग्रामीणों की महापंचायत आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। महापंचायत में सांसद हनुमान बेनीवाल भी शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों की मांगों को लेकर करीब 100 वाहनों के काफिले के साथ श्रीगंगानगर कलेक्ट्रेट की ओर कूच किया। पुलिस ने महिवावाली टोल नाके के पास चूनाबढ़ थाना क्षेत्र में बेनीवाल के काफिले को रोक दिया। इसके बाद सांसद के समर्थकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रदर्शन

जोधपुर एयरबेस पर हुई भारत और विदेशी लड़ाकू विमानों के बीच डाॅंगफाइट और एयर कॉम्बैट ट्रेनिंग तरंग शक्ति युद्धाभ्यास के दौरान 60 से 80 लड़ाकू विमानों ने जटिल हवाई मिशनों को अंजाम दिया

जोधपुर (हिस)। जोधपुर एयरबेस पर *तरंग शक्ति* युद्धाभ्यास के दौरान आसमान में हैरतअंगेज नजारे देखने को मिल रहे हैं। हवाई अभ्यास के दौरान एक साथ 60 से 80 लड़ाकू विमानों ने जटिल हवाई मिशनों को अंजाम दिया, जिसके चलते पश्चिमी राजस्थान का एयरस्पेस किसी वास्तविक युद्ध क्षेत्र की तरह नजर आने लगा। अभ्यास के तहत लार्ज फोर्स एम्प्लॉयमेंट के जरिए विभिन्न श्रेणियों और ताकतों के विमानों का एक बड़ा पैकेज तैयार किया गया, जिसमें लड़ाकू विमानों को अलग-अलग फोर्स पैकेज में बांटकर कहीं दूरमन के हवाई हमले को रोकने का अभ्यास किया गया, तो कहीं अपने विमानों को सुरक्षित लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए हवाई सुरक्षा कवच तैयार किया गया। इससे पहले के चरण में भारत और विदेशी लड़ाकू विमानों के बीच



वन-ऑन-वन और टू-ऑन-वन जैसी कठिन डाॅंगफाइट और एयर कॉम्बैट ट्रेनिंग हुई। इस युद्धाभ्यास को सबसे खास विभिन्न प्रकार के अत्याधुनिक फाइटर जेट्स के एक साथ संचालन ने बनाया। जिसमें कई देशों के प्रमुख लड़ाकू विमान शामिल हैं। फ्रांस और भारत के राफेल, अमेरिका का एफ-35 और

भारतीय वायु सेना के तेजस व सुखोई-30 एमके आई जैसे शक्तिशाली लड़ाकू विमानों ने एक ही युद्ध क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इस बड़े ऑपरेशन में केवल फाइटर जेट ही नहीं, बल्कि एयर-टू-एयर रिफ्यूज़िंग यानी हवा में ईंधन भरना, एयरलिफ्ट और अन्य सपोर्ट

मिशनों को भी शामिल किया गया। यह बड़ा ऑपरेशनल अभ्यास केवल जोधपुर तक सीमित नहीं था। जोधपुर के साथ-साथ राज्य के अन्य प्रमुख एयरबेस भी इस विशाल नेटवर्क का हिस्सा रहे, जिसमें नाल, उतरलाई, जैसलमेर, फलोदी एयरबेस भी शामिल रहे। इस अभ्यास का मुख्य लक्ष्य एक विशाल



की परंपरा शुरू हुई, जो लगातार जारी है। छोटी शुरुआत से निकली संस्था आज श्याम भक्तों के बीच अपनी पहचान बना चुकी है। देश के विभिन्न तीर्थस्थलों के साथ विदेशों में भी बाबा श्याम की ज्योत और भजन कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। 2 अक्टूबर को कलश यात्रा श्री राधा दामोदर मंदिर, पीतल फैक्ट्री से

रवाना होकर खंडेलवाल कॉलेज पहुंचेगी। करीब 2500 महिलाएं एक समान गणवेश में सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत और बाबा श्याम के भजन गाते हुए यात्रा में शामिल होंगी। यात्रा में हाथी, घोड़े, ऊंट, तीन बैड, चार रथ और विभिन्न झांकियां शामिल होंगी। गणेशजी, हनुमानजी, भारत माता और बाबा श्याम के रथ

विशेष आकर्षण रहेंगे। बाबा श्याम के रथ को कोलकाता के कारीगर देश-विदेश से मंगाए गए फूलों से सजाएंगे। यात्रा मार्ग में चार विशेष स्वागत द्वार बनाए जाएंगे। मयूर कोल्सेक्स के सामने बनाए गए विशाल मंच से पुष्पवाषां होंगी। करीब एक किलोमीटर मार्ग पर फूल बिछाए जाएंगे। वहीं 251 थालियों में दीप

श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार कानून में संशोधन पर पंजाब सरकार ने अकाल तख्त को दी जानकारी

सात सदस्यीय सरकारी पैनल और एसजीपीसी की पांच सदस्यीय समिति के बीच जल्द शुरू हो सकती है औपचारिक बातचीत

चंडीगढ़ (हिस)। पंजाब सरकार ने *जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम-2026* में संभावित बदलावों पर विचार-विमर्श के लिए गठित सात सदस्यीय कमेटे के संबंध में अकाल तख्त के जय्थेदार को औपचारिक तौर पर जानकारी दी है। इसके साथ ही सरकार की कमेटे और एसजीपीसी के पांच सदस्यीय पैनल के बीच बातचीत की प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले सात सदस्यीय कमेटे ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के साथ करीब दो घंटे बैठक की थी। यह बैठक मुख्य रूप से सदस्यों के आपसी परिचय और आगे की कार्ययोजना पर केंद्रीय रही। तय किया गया कि कमेटे पहले अपने स्तर पर कानून से जुड़े मुद्दों और प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा

करेगी, जिसके बाद एसजीपीसी की समिति के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। सरकार ने पीसीएस अधिकारी हरजीत सिंह संधू को दोनों समितियों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। सात सदस्यीय पैनल में पूर्व अकाल तख्त जय्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह, दमदमी टकसाल प्रमुख संत ज्ञानी हरनाम सिंह खालसा, संत बाबा सेवा सिंह रामपुर खेड़ा, सेवानिवृत्त जस्टिस जसपाल सिंह, सेवानिवृत्त जस्टिस गुरबीर सिंह, पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं पूर्व पंजाब लोक सेवा आयोग चेयरमैन जतिंदर सिंह औलख और लॉ ऑफिसर प्रीत इंद्र पाल सिंह शामिल हैं। यह समिति पंजाब सरकार ने 16 सितंबर को गठित की थी। मुख्यमंत्री भगवंत मान और ज्ञानी रघबीर सिंह पहले स्पष्ट

कर चुके हैं कि कानून की धाराओं और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा तथा आवश्यक संशोधन किए जा सकते हैं, लेकिन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की वेअदबी के खिलाफ कानून के मूल उद्देश्य को कमजोर नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि सख्त सजा से जुड़े प्रमुख प्रावधानों को बनाए रखने के पक्ष में सरकार है। अकाल तख्त और पीसीएस ने इस कानून की कुछ धाराओं, शब्दावली और प्रक्रियात्मक प्रावधानों पर आपत्तियां जताई थीं। इसी के बाद दोनों पक्षों के बीच संवाद की प्रक्रिया शुरू की गई। पंजाब विधानसभा ने इस संशोधित कानून को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता और सम्मान की सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों को सख्त करने के उद्देश्य से पारित किया था।



चंडीगढ़ (हिस)। पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच लुधियाना सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने गुरवार को अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर बड़ा बदलाव करते हुए खुद को *पूर्व पीपीसीसी अध्यक्ष* यानी पूर्व पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष लिख दिया। यह बदलाव उनके विभिन्न सोशल मीडिया खातों पर दिखाई दिया। हालांकि, कांग्रेस की ओर से नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम की औपचारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। रिपोर्टों के अनुसार कांग्रेस

नेतृत्व ने वडिंग को प्रदेश अध्यक्ष पद पर बदलाव के फैसले की जानकारी दे दी है। इसके बाद उनके समर्थकों और पंजाब कांग्रेस के विभिन्न खेमों में नए अध्यक्ष के नाम को लेकर हलचल तेज हो गई है। पार्टी सूत्रों के हवाले से सामने आ रही खबरों में पूर्व सांसद और कांग्रेस के राष्ट्रीय संयुक्त कोषाध्यक्ष विजय इंद्र सिंगला का नाम प्रमुख दावेदारों में बताया जा रहा है। इसके अलावा सुखजिंदर सिंह रंधावा, गुरजीत सिंह औजला, परगत सिंह और सुखबिंदर सिंह सरकारिया

समेत अन्य नेताओं के नाम भी चर्चा में हैं। फिलहाल इनमें से किसी नाम पर कांग्रेस ने सार्वजनिक मुहर नहीं लगाई है। पंजाब कांग्रेस में पिछले कुछ महीनों से प्रदेश नेतृत्व को लेकर अलग-अलग राय सामने आती रही है। जुलाई में हुए संगठनात्मक फेरबदल के दौरान वडिंग को प्रदेश अध्यक्ष पद पर बरकरार रखा गया था, जबकि चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति की जिम्मेदारी दी गई थी। इसके बाद सितंबर में सचिन पायलट को पंजाब मामलों का नया प्रभारी बनाया गया। अब नजर कांग्रेस हाईकमान की औपचारिक घोषणा पर है, जिसके बाद ही साफ होगा कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश संगठन की कमान किस नेता को सौंपी जाती है।

एसआईआर के विरोध में वाम दलों ने निकाला प्रतिरोध मार्च

सुपौल (हिस)। विशेष गहन पुनरीक्षण और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों के विरोध में वाम दलों के संयुक्त आह्वान पर गुरुवार को सुपौल में प्रतिरोध मार्च निकाला गया। 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चल रहे देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के तहत आयोजित मार्च में वाम दलों के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत ऐतिहासिक गांधी मैदान से हुई। यहां से वाम दलों के नेता और कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए लोहिया चौक पहुंचे, जहां मार्च सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता पियरा विधानसभा क्षेत्र के महागठबंधन समर्थित भाकपा माले नेता अनिल कुमार ने की। सभा को संबोधित करते हुए वाम दलों के नेताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। नेताओं



ने विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे रद्द करने तथा इसके बाद हुए चुनावों को भी रद्द करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के कारण बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर हुए हैं, जिससे उनके मताधिकार पर असर पड़ा है। वक्ताओं

इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंडू की मुठभेड़ में हुई मौत की मजिस्ट्रियल जांच शुरू



गुरुवार को बताया कि घटना के संबंध में यदि किसी व्यक्ति के पास कोई

जानकारी, साक्ष्य अथवा दस्तावेज उपलब्ध हों तो वह 24 अक्टूबर,

2026 तक उनके न्यायालय में उपस्थित होकर उन्हें लिखित अथवा मौखिक रूप से प्रस्तुत कर सकता है। जांच के दौरान प्राप्त होने वाली ऐसी सभी सूचनाओं और साक्ष्यों को प्रकरण में शामिल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 20 सितंबर की भोर रामनगर थाना क्षेत्र के लंका मैदान में यूपी एसटीएफ और प्रतिबंधित नक्सली संगठन टीपीसी के कमांडर बृजेश गंडू के बीच मुठभेड़ हुई थी। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ में 30 लाख रुपए का

इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंडू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता मारा गया था। मुठभेड़ के दौरान नक्सली की ओर से कार्रवाई की गई। उसकी गोली यूपी एटीएस के डिप्टी एसपी विपिन राय और हेड कांस्टेबल नितेश कृष्ण के बुलेटप्रूफ जैकेट में भी लगी थी। हालांकि, दोनों पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। बृजेश गंडू झारखंड के चतरा जिले के लावालीगं थाना क्षेत्र के लूटू गांव का निवासी बताया गया है। वह स्वर्गीय पंतू गंडू का पुत्र था।

तीन महीने बाद सरिस्का टाइगर सफारी हुई शुरू 56 बाघों की चहलकदमी के बीच पर्यटकों का हुआ स्वागत



अलवर (हिस)। मानसून के तीन महीने के लंबे अंतराल के बाद राजस्थान का विश्व प्रसिद्ध सरिस्का टाइगर रिजर्व गुरुवार से पर्यटकों के लिए विधिवत रूप से खोल दिया गया है। नया पर्यटन सत्र (2026-27) शुरू होने के पहले ही दिन सैकड़ों देशी-विदेशी पर्यटकों ने जंगल सफारी का आनंद लिया। सत्र के पहले दिन सरिस्का प्रवेश द्वार पर पहुंचे पर्यटकों के लिए वन विभाग ने विशेष व्यवस्था की। क्षेत्र निदेशक संग्राम सिंह कटियार और उप वन संरक्षक अभिमन्यु सहागर की उपस्थिति में पर्यटकों को तिलक लगाकर, पुष्प भेंट कर और मुंह मीठा करवाकर पार्क में प्रवेश कराया गया। इस मौके पर सहायक वन संरक्षक, क्षेत्रीय वन अधिकारी, वनपाल, नेचर गाइड और जिप्सी चालक

मौजूद रहे। पिछले कुछ वर्षों में सफल बाघ संरक्षण और शावकों के जन्म के कारण सरिस्का में बाघों का कुनवा बढ़कर 56 हो गया है। क्षेत्र निदेशक संग्राम सिंह कटियार ने बताया कि बाघों और उनके शावकों की बढ़ती संख्या के चलते इस सीजन में पर्यटकों को टाइगर साइटिंग होने की संभावनाएं काफी अधिक हैं। बाघों के अलावा सरिस्का के हर-भरे अरावली जंगलों में पर्यटक तेंदुआ, सांभर, चीतल, नीलगाय, जंगली सुअर और कई प्रजातियों के दुर्लभ पक्षियों का दीदार कर सकेंगे। पर्यटन सत्र की शुरुआत से न केवल वाइल्डलाइफ लवर्स में उत्साह है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बड़ा सहारा मिला है। पार्क खुलने से अलवर और आसपास के सैकड़ों नेचर गाइड्स, जिप्सी/कैटर चालकों और होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। सफारी गाइड्सों से नीचे उतरना सख्त मना है। जंगल के भीतर शोर न मचाएं और न ही वन्यजीवों को परेशान करें। वन क्षेत्र में प्लास्टिक, पॉलीथीन या कचरा न फैलाएं। सफारी बुकिंग की जानकारी पर्यटक सरिस्का में जिप्सी और कैटर सफारी के लिए राजस्थान वन विभाग के अधिकृत ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी एडवांस बुकिंग करवा सकते हैं।

नालंदा जिले में भूमिहीन परिवारों को भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू



रहे हैं। अंचलाधिकारी रीता कुमारी ने बताया कि ग्रामीणों की सुविधा के लिए पंचायतों में कर्मचारियों को भेजा गया है, फिर भी बड़ी संख्या में लोग कार्यालय आ रहे हैं। प्रतिदिन 300 से अधिक फॉर्म जमा हो रहे हैं

और अब तक दो हजार से अधिक फॉर्म जमा हो चुके हैं। यह अभियान 2 अक्टूबर तक जारी रहेगा। भीड़ को देखते हुए पांच कर्मियों को इस कार्य में लगाया गया है ताकि ग्रामीणों को परेशानी न हो।



गांधी जयंती पर शेयर बाजार में छुट्टी, अगले 3 दिन तक नहीं होगा कोई कारोबार

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में अगले तीन दिन तक कोई कारोबार नहीं होगा। अब शेयर बाजार सीधे पांच अक्टूबर को खुलेंगे और तभी सामान्य कारोबार की शुरुआत होगी। दो अक्टूबर को गांधी जयंती होने की वजह से बायबे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में छुट्टी रहेगी। छुट्टी के बाद अगले दो दिन यानी तीन और चार अक्टूबर को शनिवार और रविवार का सामाहिक अवकाश रहेगा। इसी कारण अब शेयर बाजार में कारोबार की शुरुआत पांच अक्टूबर से होगी।

बीएसई और एनएसई की तरह ही मल्टी

कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में भी गांधी जयंती के मौके पर कंप्लीट छुट्टी रहेगी। मतलब आज कमोडिटी एक्सचेंज में दिन और शाम दोनों सत्र में कोई कारोबार नहीं होगा। इस छुट्टी की वजह से स्टॉक एक्सचेंज की तरह ही कमोडिटी एक्सचेंज में भी लगातार तीन दिन की छुट्टी रहेगी। इसके बाद कमोडिटी एक्सचेंज में भी 5 अक्टूबर से सामान्य कारोबार शुरू हो जाएगा।

स्टॉक एक्सचेंज के अनुसार गांधी जयंती की छुट्टी होने के कारण बीएसई में इक्विटी सेगमेंट,

इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट्स, न्यू डेट सेगमेंट- रिपोरिंग, सेटलमेंट एंड ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (एनडीएस-आरएसटी), ट्राई पार्टी रेपो सभी के लिए ट्रेडिंग हालिडे रहेगा। इसके अलावा इलेक्ट्रानिक गोल्ड रिसीप्ट्स (ईजीआर), कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में भी दिन के दोनों सत्रों में कारोबार नहीं होगा।

इसी तरह एनएसई में भी गांधी जयंती की छुट्टी होने के कारण इक्विटीज, इक्विटी डेरिवेटिव्स, कारपोरेट बान्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स, निगोशिएटेड ट्रेड रिपोरिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लॉडिंग एंड

बारोंडिंग स्क्रीम्स, करेंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इंस्ट्रु रेट डेरिवेटिव्स सभी सेगमेंट्स में छुट्टी रहेगी।

स्टॉक मार्केट के हालिडे कैलेंडर के अनुसार अक्टूबर के महीने में आज गांधी जयंती की छुट्टी के बाद 20 अक्टूबर को स्टॉक मार्केट में दशहरा की छुट्टी होगी, जबकि 10 नवंबर को बलि प्रतिपदा के कारण स्टॉक मार्केट में छुट्टी रहेगी। नवंबर के महीने में 24 तारीख को श्री गुरु नानक देव गुरु परब की छुट्टी रहेगी। इसी तरह साल के आखिरी महीने दिसंबर में 25 तारीख को क्रिसमस की छुट्टी रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

सर्वा फोम इंस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी फाइन किया

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी रीब्रांडेड पीपू फोम बनाने और एक्सपोर्ट करने वाली भोपाल की कंपनी सर्वा फोम इंस्ट्रीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी)

के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के पास जमा मसौदा दस्तावेज के अनुसार सर्वा फोम इंस्ट्रीज लिमिटेड के 5 रुपये फेस वैल्यू वाले इस आईपीओ में 5,400,000 तक इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू और प्रमोटर मिस्टर कुणाल गियानी की ओर से 1,350,000 तक शेयरों का आफर-फार-सेल (ओफरएस) भी इसमें शामिल है। इसके शेयर पनएसई और बीएसई पर लिस्टिंग के लिए प्रस्तावित हैं। सर्वा फोम इंस्ट्रीज लिमिटेड इस फ्रेश इश्यू से मिलने वाली 90 करोड़ रुपये की रकम का इस्तेमाल कंपनी की रीब्रांडेड पालीयूरेथेन फोम प्रोडक्ट्स की नई मैनुफैक्चरिंग यूनिट लगाने के लिए कैपिटल खर्च की जरूरतों को पूरा करने में करेगी, जबकि 300.00 मिलियन का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्जों को आंशिक या पूरी तरह से चुकाने/प्री-पेमेंट करने और सामान्य कार्पोरेट कामों के लिए किया जाएगा। कंपनी के मुताबिक ये आफर बुक-बिल्डिंग प्रोसेस के जरिए लाया जा रहा है, जिसमें आफर का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदार को नही दिया जाएगा, और आफर का कम से कम 15 फीसदी और 35 फीसदी हिस्सा क्रमशः गैर-संस्थागत बौलीदाता और खुदरा व्यक्तिगत बौलीदाता को दिया जाएगा। भोपाल स्थित 2018 में बनी यह कंपनी रीब्रांडेड पालीयूरेथेन (पीयू) फोम की एक स्पेशलाइज्ड मैनुफैक्चरर और ट्रेडर है।

पाचवां कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 03 अक्टूबर से नई दिल्ली में होगा आयोजित



नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली में 5वां कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 03 से 05 अक्टूबर, 2026 तक प्रवाह के युग में सुदृढशीलता विषय के अंतर्गत आयोजित किया जाएगा। तीन दिवसीय सम्मेलन में वरिष्ठ नीति निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों, शिक्षाविदों, वित्तीय विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय विचारक एक साथ इसमें मौजूद रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि उपाध्यक्ष सी. पी. राधाकृष्णन पांचवें कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी 2026) में अपना उद्घाटन भाषण देंगे। इसके साथ ही केंद्रीय वित्त एवं कार्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण केईसी 2026 में भारत की आर्थिक आभिव्यक्ति पर विशेष पूर्ण सत्र को संश्लिषित करेगी। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय विदेश मंत्री डा एस. जयशंकर भारत और विदेश: डिजाइन द्वारा अनुकूलन विषय पर विशेष सम्मेलन भाषण देंगे। केंद्रीय संचार और पब्लिक क्षेत्र के विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया इस सम्मेलन में कनेक्टड इंडिया, एम्पावर्ड फाइनेंस-ईआई इकोनॉमी के लिए विश्वसनीय डिजिटल इफ़्फ़ेक्टिवर का निर्माण विषय पर मुख्य भाषण देंगे। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शोषकाल संस्कृति पूंजी के रूप में: विरासत से क्षितिज तक विषय पर मुख्य भाषण देंगे।

सर्फा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अक्टूबर की शुरुआत होते ही घरेलू सर्फा बाजार में सोने की कीमत में जारी गिरावट के सिलसिले पर ब्रेक लग गया है। महीने के पहले दिन शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। भाव में आए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्फा बाजार में सोना 720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 790 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्फा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,37,110 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्फा बाजार में भी 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,49,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

जबरदस्त उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, निवेशकों को लगी 6.09 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली

महंगाई की आशंका, ब्याज दरों में बढ़ोतरी होने का डर और बान्ड यील्ड में आए उछाल की वजह से दुनिया के ज्यादातर दूसरे शेयर बाजार की तरह ही भारतीय शेयर बाजार भी जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गया। सेंसेक्स इंट्रा-डे में 1,280 अंक तक लुढ़क गया। इसी तरह निफ्टी ने भी 403 अंक तक का गोता लगाया। बाजार में आई इस जोरदार गिरावट के कारण निवेशकों को एक दिन में ही 6.09 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

शेयर बाजार में दिन भर लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ सुधार भी हुआ, लेकिन सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। इस बिकवाली की वजह से दोनों सूचकांक गिरते चले गए। बाजार में गिरावट का यह सिलसिला दोपहर दो बजे तक जारी रहा। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक काफी हद तक रिकवर करने में सफल रहे। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.79 प्रतिशत और निफ्टी 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 287.40 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72,192.89 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही खरीदारों शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी सपोर्ट से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 380.01 अंक की रिकवरी कर 92.61 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 72,572.90 अंक के स्तर पर आ गया।

इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। खासकर, दोपहर 12 बजे के करीब मंदीद्वियों ने चौरफा दबाव बना दिया, जिसकी वजह से अगले दो घंटे में यह सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 1,280.02 अंक लुढ़क कर 1,187.41 अंक यानी 1.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,292.88 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली शुरू की, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आने लगी। इस लिवाली के



सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 616.82 अंक रिकवर कर 570.59 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 71,909.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 76.75 अंक यानी 0.34 प्रतिशत टूट कर 22,543.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब निफ्टी ओपनिंग लेवल से 66.90 अंक की रिकवरी कर 22,610.60 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में चौरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से यह सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर दो बजे तक निफ्टी 403.15 अंक यानी 1.78 प्रतिशत लुढ़क कर 22,217.30 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी निचले स्तर से 204.65 अंक सुधर कर 198.50 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,421.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के दौरान आटोमोबाइल, मेटल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज सेक्टर के शेयरों की लगातार बिकवाली होती रही। बिकवाली के दबाव की वजह से निफ्टी का आटो इंडेक्स 3.46 प्रतिशत टूट गया। इसी तरह बीएसई का मेटल इंडेक्स 2.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी के पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स ने 1.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा बैंकिंग, कंन्सुमर इयूरबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और आयल एंड गैस इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान

में बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी सेक्टर के शेयरों की लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का आईटी इंडेक्स 2.17 प्रतिशत उछल गया। इसी तरह बीएसई का टेक इंडेक्स भी 1.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसके अलावा कैपिटल गूड्स और टेलीकाम इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्राडर मार्केट में लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्माल्कैप इंडेक्स ने 0.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में छह लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी आ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 467.01 लाख करोड़ रुपये (अर्नातिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 473.10 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 6.09 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिन भर के कारोबार के दौरान बीएसई में 4,652 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,367 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,056 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 229 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 3,285 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 729 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,556 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 13 शेयर हरे निशान में और 37 शेयर लाल निशान में बंद हुए। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस 4.11 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 2.49 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 1.76 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इश्योरेंस 1.49 प्रतिशत और मेक्स हेल्थकेयर 1.20 प्रतिशत की तेजी के साथ के टाप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, बजाज आटो 7.62 प्रतिशत, मार्सुति सुजुकी 4.86 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 3.84 प्रतिशत, डाटा स्टील 3.42 प्रतिशत और ग्रासिम इंडस्ट्रीज 3.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टाप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

पृष्ठ एक का शेष

बिरयानी खाने के ...

पार्टी भाजपा है और वह उपचुनाव में शानदार जीत हासिल कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में अपने दौरे के दौरान हमें अपनी माताओं का आशीर्वाद, अपनी बहनों का प्रेम और अपने दोस्तों का समर्थन प्राप्त था। शर्मा ने एआईयूडीएफ प्रमुख और विधायक बदरुद्दीन अजमल को राजनीति से संन्यास लेने की सलाह देते हुए कहा कि वे बूढ़े हो चुके हैं और उन्हें सक्रिय राजनीति की जिम्मेदारी अपने तीनों बेटों में से किसी एक को सौंप देनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस और एआईयूडीएफ पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एकजुट होने का भी आरोप लगाया।

महाराष्ट्र : पिकनिक मनाने ...

आकर्षित करती हैं। यही वजह है कि पुणे से 8 छात्र यहां घूमने आए और हादसे का शिकार हो गए। जानकारी के मुताबिक, आलंदी स्थित विनर्स एकेडमी के 42 छात्र ट्रिप पर दिवेआगर आए थे। बताया जा रहा कि इनमें 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्र शामिल थे। इसी दौरान ग्रुप के 8 छात्र समुद्र में तैरने के लिए उतर गए। समुद्र में जाने के कुछ ही देर बाद वे तेज बहाव और बदलते पानी के स्तर की चपेट में आ गए। देखते ही देखते सभी छात्र डूब गए। हालांकि समुद्र में अचानक उठी तेज लहरों को हादसे की वजह बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बाहर से आने वाले पर्यटकों और छात्रों को समुद्र की गहराई और पानी के बदलते स्तर का सही अंदाजा नहीं होता। ऐसे में उन्हें समुद्र में उतरते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

कूम्बर टी एस्टेट में 595 ...

समाधान अपनाने में मदद करेगा और साथ ही असम के एक हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य के बड़े लक्ष्य में योगदान देगा। उम्मीद है कि यह पहल चाय उद्योग में रिन्यूएबल एनर्जी के इस्तेमाल को मजबूत करेगी। चाय उद्योग असम की अर्थव्यवस्था का एक अहम सेक्टर है। साथ ही, यह पहल राज्य के *ग्रीन असम मिशन* को आगे बढ़ाने की कोशिशों में भी मदद करेगी।

निजुत मोड़ना : 12 से छात्रों ...

राज्य सरकार के अनुसार, माध्यमिक शिक्षा स्तर पर 1,89,048 छात्रों को वित्तीय सहायता का लाभ मिलेगा। निजुत मोड़ना योजना का उद्देश्य छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना और उन्हें शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह सहायता अक्टूबर से शुरू होकर कम से कम 10 महीनों तक विस्तारित की जाएगी।

एम्बुलेंस सिर्फ 30 सेकंड ...

पर यातायात प्रबंधन कर रही पुलिस ने रोक दिया ताकि मुख्यमंत्री का काफिला गुजर सके। एम्बुलेंस के रुके होने के दृश्य

सोशल मीडिया पर सामने आए, जिससे वीआईपी की आवाजाही के दौरान आपातकालीन वाहन को रोकने पर आलोचनाएं होने लगीं। हालांकि, शर्मा ने 1 अक्टूबर को कहा कि एम्बुलेंस को 30 सेकंड से अधिक समय तक नहीं रोक़ा गया था और उन्होंने रुकने और चक्रवर्ती की मौत के बीच किसी भी संबंध से इनकार किया। घटना पर टिप्पणी करते हुए शर्मा ने कहा कि मरीज लीवर की बीमारी से पीड़ित था और एम्बुलेंस 30 सेकंड से अधिक समय तक नहीं रुकी, इसलिए दोनों घटनाओं का आपस में कोई संबंध नहीं है।

अगर केंद्र और मणिपुर ...

काशुंग ने कहा कि इस मोड़ पर हम बहुत थक चुके हैं। काशुंग ने आगे कहा कि अगर मणिपुर सरकार और भारत सरकार मूल निवासियों खासकर बाँइर के संवेदनशील इलाकों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा करने में असमर्थ या अनिच्छुक है तो लोगों के पास चीन जैसे पड़ोसी देशों से मदद मांगने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचेगा।

सीएमओ ने सीएम के ...

कोई रुकावट आए। यह निर्देश सिलचर में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के काफिले के लिए रास्ता बनाने के मकसद से मरीज को ले जा रही एक एम्बुलेंस को रोक़े जाने के एक दिन बाद आया। इसके बाद ड्यूटी में लापरवाही के आरोप में चार पुलिसकर्मीयों को सस्पेंड कर दिया गया। शर्मा ने मरीज और उनके परिवार से माफी भी मांगी और इस घटना को *अस्वीकार्य* बताया। 30 सितंबर को मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी आदेश में कहा गया कि जिला अधिकारियों को पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि वीआईपी काफिले की आवाजाही के कारण एम्बुलेंस, फायर टेंडर और अन्य आपातकालीन वाहनों को न रोका जाए। आदेश में कहा गया कि एक बार फिर जोर देकर कहा जाता है कि किसी भी हालत में वीआईपी काफिले की व्यवस्था के कारण एम्बुलेंस या अन्य आपातकालीन वाहनों की आवाजाही में रुकावट नहीं आनी चाहिए। सीएमओ ने आगे निर्देश दिया कि वीआईपी आवाजाही के दौरान ट्रैफ़िक व्यवस्था ऐसी हो कि आपातकालीन वाहनों को कोई देरी या रुकावट न हो। जरूरत पड़ने पर, उन्हें तुरंत गुजरने देने के लिए मुख्यमंत्री के काफिले को रोक़ा जा सकता है। आदेश में कहा गया कि आपातकालीन वाहनों, खासकर एम्बुलेंस, फायर टेंडर और पुलिस रिस्पॉन्स यूनिट को हर समय बिना किसी रुकावट के रास्ता दिया जाना चाहिए, चाहे काफिले का आवाजाही हो रही हो। इसमें अधिकारियों को यह पक्का करने का भी निर्देश दिया गया कि मुख्यमंत्री के काफिले की व्यवस्था से रोमरंग के ट्रैफ़िक में कोई बेवजह रुकावट न आए और न ही आम जनता को कोई परेशानी हो। आदेश में यह भी कहा गया कि इंचार्ज अधिकारी नियमों के पालन की व्यक्तिगत रूप से गिरावनी करने और किसी भी चूक के लिए अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने के लिए जिम्मेदार होंगे। इस बीच, मुख्यमंत्री

के काफिले के आकार को सुरक्षा और जरूरी ऑपरेशनल कार्यों के लिए जरूरी कम से कम वाहनों तक सीमित करने का आदेश दिया गया है। सीएमओ ने यह भी निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री के साथ उन्हीं कार्यक्रमों में शामिल होने वाले मंत्री, विधायक, अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उनके काफिले का हिस्सा न बनें और न ही उसके साथ चलें।

युद्ध और संघर्ष के ...

वॉचन न रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि यह दृष्टिकोण महात्मा गांधी के *सर्वोदय* के आदर्श की भावना को दर्शाता है, जो सभी के कल्याण और उत्थान के सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने गांधी जयंती के अवसर पर देशवासियों से नैतिक आचरण और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सशक्त, विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान किया।

कन्नूर में राज्य के ...

का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें डीवाईएफआई कार्यकर्ता मंत्री के वाहन को चारो तरफ से घेरे हुए हैं। गाड़ी पर डंडे से हमला करते हुए दिख रहे हैं। इस दौरान गाड़ी को नुकसान पहुंचता है, तब तक पुलिस के जवान गाड़ी पर हमला करने वाले लोगों को पकड़ लेते हैं। युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मंत्री के वाहन पर परंपरा किया गया। वहीं, मंत्री के साथ मौजूद लोगों के अनुसार, इस हमले में गाड़ी पर लगा राष्ट्रध्वज का खंडा (पत्तंग पोल) और रैन गाई क्षतिग्रस्त हो गए। फिलहाल विरोध प्रदर्शन के सटीक कारणों और इस मामले में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण फिलहाल उपलब्ध नहीं हो सका है।

स्मित मच्छर को राज्य ...

यात्रियों और रूू ने सुझबूझ दिखाते हुए विमान को सज्जदी अरब के तबुक एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड कराया था। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कैप्टन मच्छर के साहस और जज्बे की सराहना करते हुए घोषणा की है कि प्रदेश सरकार उन्हें विशिष्ट गुजरात गरिमा अवॉर्ड से सम्मानित करेगी। मुख्यमंत्री पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आसमान में कैप्टन स्मित मच्छर द्वारा दिखाया गया अदम्य साहस और शौर्य असाधारण है। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने हमलावर का मुकाबला किया।

मौत की सजा पाने वाली ...

भी हो। गैर-लाभकारी संस्था *डेथ पेनल्टी इंफॉर्मेशन सेंटर* की एजीक्यूटिव डायरेक्टर रॉबिन माहरे ने इस घटना को *अनोखी और बेमिसाल* बताया। उन्होंने कहा कि अब तक ऐसा कभी नहीं हुआ कि मौत की सजा के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जानलेवा दवा दिए जाने के बाद कोई बच गया हो। यह सजा नैशविल की रिवरबेंड मैक्सिमम सिक्योरिटी इस्टीम्यूशन में

केंद्र सरकार ने चीनी डीलर के लिए स्टॉक रखने की सीमा घटाकर 1 हजार विंटल की



नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने त्योहारी सीजन में चीनी की जमाखोरी रोकने, उपभोक्ताओं को पर्याप्त आपूर्ति और उचित कीमत सुनिश्चित करने के लिए चीनी के भंडारण संबंधी मानदंडों में संशोधन किया है। सरकार ने चीनी रखने की सीमा घटाकर एक हजार विंटल और स्टॉक की अधिकतम सीमा घटाकर 15 दिन कर दी है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक ये सीमा 15 अक्टूबर से 30 नवंबर तक लागू रहेगी और डीलर अधिकतम 15 दिन तक चीनी का स्टॉक रख सकेंगे। हालांकि, कोलकाता और उसके विस्तारित महानगरीय क्षेत्र तथा असम में क्षेत्र विशेष की जरूरतों को देखते हुए स्टॉक सीमा 2,000 विंटल होगी। मंत्रालय ने कहा कि एक अक्टूबर से नए चीनी सत्र की शुरुआत के साथ त्योहारी अवधि में उपभोक्ताओं को उचित कीमत पर चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार कदम उठा रही है। मंत्रालय ने कहा कि चीनी की मात्रा और उसे रखने की अवधि को सीमित करके सरकार का उद्देश्य आपूर्ति शृंखला में चीनी की व्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित करना और उपभोक्ताओं

के लिए इसकी लगातार उपलब्धता बनाए रखना है।

इससे पहले अगस्त में सरकार ने डीलर के लिए देशभर में 4 हजार विंटल चीनी की स्टॉक सीमा तय की गई थी। ये सीमा एक अगस्त से 30 नवंबर तक के लिए लागू की गई थी। इसके तहत चीनी मिलने की तारीख से अधिकतम 30 दिन तक चीनी का स्टॉक रखने की अनुमति थी। इसके बाद में 15 सितंबर से यह सीमा घटाकर 2 हजार विंटल कर दी गई थी।

मंत्रालय के मुताबिक चीनी का औसत खुदरा मूल्य अगस्त के उच्चतम स्तर से अब 15 प्रतिशत घट चुका है और आपूर्ति शृंखला में कम कीमतों का लाभ मिलने के साथ इसमें आगे भी गिरावट आने की उम्मीद है। मिलों की कीमतों में करीब 28 प्रतिशत की गिरावट आई है और वे पिछले तीन सप्ताह से स्थिर हैं। सरकार ने कहा कि चीनी मिलों, डीलर, थोक विक्रेताओं और अन्य बाजार प्रतिभागियों को चीनी की निबंध आवाजाही को सुनिश्चित करने और जमाखोरी एवं सड़बुाजी रोकने के साथ ही कच्चा और खुदरा विक्रेताओं से मिलों की कीमतों में आई गिरावट का लाभ उपभोक्ताओं तक तत्काल पहुंचाने को कहा है।

बुधवार सुबह दी जानी थी लेकिन पाइक के बचपन में हुई हिंसा से जुड़े तर्कों पर विचार करने के लिए इसे शुरू होने से एक घंटे पहले रोक दिया गया। कुछ घंटों बाद, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने प्रॉसिक््यूटर की अपील पर रोक हटा दी, जिससे सजा को लागू करने की मंजूरी मिल गई।

विदेशी सुपारी तस्करी...

किए जाने की आशंका है। अब जांचकर्ता यह पता लगाने में जुटे हैं कि इन कंपनियों के खातों में रकम कहाँ से आई, किन माध्यमों से उसका लेन-देन हुआ और कथित तस्करी से प्राप्त धन को किस तरह अलग-अलग कारोबारी संस्थाओं के जरिए आगे भेजा गया। जांच के मुताबिक, कथित तौर पर तस्करी के जरिए भारत लाई गई विदेशी सुपारी को उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र के गुटखा तथा पान मसाला निर्माताओं तक पहुंचाया जाता था। निदेशालय इस कथित आपूर्ति शृंखला में शामिल परिवहन कारोबारियों, कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों के बीच वित्तीय संबंधों की जांच कर रहा है। निदेशालय को यह भी संदेह है कि सुपारी की खेप को एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचाने के दौरान फर्जी वस्तु एवं सेवा कर तथा परिवहन दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया हो सकता है। जांच एजेंसी इन दस्तावेजों की वास्तविकता के साथ-साथ इनके आधार पर हुए वित्तीय लेन-देन की भी पड़ताल कर रही है। जांच का एक अहम पहलू सिलीगुड़ी से संचालित बताए जा रहे कथित नेटवर्क से जुड़ा है। आरोप है कि इस नेटवर्क द्वारा ट्रक चालकों से हर महीने रकम ली जाती थी और इसके बदले उन्हें ऐसे टोकन दिए जाते थे, जिनके जरिए असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में ट्रकों की आवाजाही में कथित रूज्जे से परेशानी नहीं होने की व्यवस्था की जाती थी। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस कथित व्यवस्था के पीछे कौन लोग थे, रकम किस माध्यम से एकत्र की जाती थी और इसका विदेशी सुपारी की कथित तस्करी से क्या संबंध था। फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय की जांच का मुख्य केंद्र विदेशी सुपारी की कथित तस्करी से जुड़े धन के प्रवाह, संदिग्ध कंपनियों, बैंक खातों, फर्जी दस्तावेजों और परिवहन नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ना है। तलाशी के दौरान मिले दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा सकती है। तलाशी में शामिल व्यक्तियों और कंपनियों के संबंध में सामने आए आरोप फिलहाल जांच का विषय हैं। उनकी अंतिम कानूनी स्थिति जांच पूरी होने और संबंधित प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगी।

जिम्माब्बे में हेलिकाप्टर...

राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो, तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहु हसन और इस्वातिनी के किंग मस्वाती तृतीय समेत कई बड़े नेताओं के करीबी रहे हैं। विवायो पर जिम्बाब्वे और आसपास के देशों में सरकारी ठेकों और चुनावी भंडाओं से जुड़े आरोप लगे थे। उन्होंने इन आरोपों से इनकार किया था।



एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप क्वालीफायर के लिए भारत की 23 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली

भारत की अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडरसन ने एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2027 क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। प्रतियोगिता मलेशिया में 5 से 11 अक्टूबर तक खेली जाएगी। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के अनुसार, पिछली प्रतियोगिता की टीम की 11 खिलाड़ी इस बार भी टीम में शामिल हैं। भारतीय टीम लगातार दूसरी बार एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। भारत को ग्रुप ई में रखा गया है। टीम 5

अक्टूबर को इराक के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद 8 अक्टूबर को सीरिया और 11 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया से मुकाबला होगा। केवल ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम ही अंतिम प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करेगी। सभी मुकाबले सेलंगंगोर के सेलंग स्थित एमपी सेलंग स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2 अक्टूबर को कुआलालंपुर पहुंचेगी। भारतीय टीम ने जुलाई में बेंगलुरु में तैयारी शिविर शुरू किया था। इसके बाद पिछले महीने ताशकंद का दौरा किया, जहां उसने उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो मैत्री मुकाबले खेले और दोनों गोलरहित ड़ रहे। भारत लौटने के

बाद टीम ने गोवा में तैयारियां जारी रखीं और फिलीपींस के खिलाफ दो बंद दरवाजे वाले मैत्री मुकाबले खेले। इनमें भारत को पहले मैच में 2-4 से हार मिली, जबकि दूसरे मुकाबले में उसने 2-0 से जीत दर्ज की। मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडरसन ने कहा, गोवा में हमारी तैयारियां बहुत अच्छी रही हैं। हमारे पास बहुत अच्छी घास वाली पिच थी और यहां हमारा प्रवास भी अच्छा रहा। फिलीपींस के खिलाफ खेले गए मुकाबलों से हमें यह समझने में काफी मदद मिली कि क्वालीफायर में हमें किस तरह शुरुआत करनी चाहिए। वह एक अच्छी प्रतिद्वंद्वी टीम थी, जिसने हमारे खेलने के तरीके की अच्छी परीक्षा ली।

भारत की 23 सदस्यीय टीम:
गोलकीपर: युनी, सनातोंबी देवी इरंगबाम, सोमन घोष
डिफेंडर: अभिरता बासनेट, अंबालिका चानू खुदोंगबाम, दाइना देवी कोंथीजाम, जोयशिनी चानू हुइद्रोम, रितु बड़ाइक, तानिया देवी टोर्नबम
मिडफील्डर: अल्वा देवी सेनजाम, बोनिफिलिया शुल्लई, जुलान नोंगमेथेम, मोनिका देवी वाइरोकपाम, प्रितिका बर्मन, रेंडिमा देवी चिंगखामायुम, सिल्की देवी सोरोखाइबाम, थांदमोनी बास्की, यशिका हरिबावू।

न्यूज़ ब्रीफ

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे से प्रसिद्ध कृष्णा बाहर, अनशुल कांबोज को मिला मौका



नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के भारत दौरे के बीच भारतीय टीम में दो अहम बदलाव किए गए हैं। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा बाएं पर की हेमरिटिंग में चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में नहीं खेल पाएंगे। उन्हें गुवाहाटी में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान चोट लगी थी। वयन समिति ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह अनशुल कांबोज को वनडे टीम में शामिल किया है। कांबोज चंडीगढ़ में टीम के साथ जुड़ेगे। तीसरे वनडे के लिए भारत की टीम में कप्तान शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केपल राहुल, ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, गुनुर बराड़, मोहम्मद सिराज, अकिंक नबी, यशसवी जायसवाल, नमन धीर और अनशुल कांबोज होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज से वाशिंगटन सुंदर को बहाल कर दिया गया है। टीम प्रबंधन और चयन समिति ने यह फैसला न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी को ध्यान में रखते हुए लिया है। 11 अक्टूबर से राजनी टाफी का नया सत्र शुरू होना है। ऐसे में वाशिंगटन सुंदर अपनी राज्य टीम के लिए ताल ठोक से क्रिकेट खेलकर टेस्ट सीरीज की तैयारी कर सकेंगे। उनकी जगह नमन धीर को टी-20 टीम में शामिल किया गया है। भारत की संशोधित टी-20 टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर के पास रहेगी, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे। टीम में अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, संजु सैमसन, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, नितीश कुमार रेड्डी, अर्पदीप सिंह, प्रिंस यादव, मयंक यादव और नमन धीर भी शामिल हैं।

मुरादाबाद मंडल के 10 मुक्केबाज प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरुष बाक्सिंग प्रतियोगिता में दम दिखाएंगे



मुरादाबाद। झांसी में होने वाली प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरुष बाक्सिंग प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद मंडल की टीम का चयन कर लिया गया है। नेताजी सुभाषचंद बोस स्पोर्ट्स एंथेल्पी स्टेडियम मुरादाबाद में आयोजित चयन ट्रायल में प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न भार वर्गों में 10 खिलाड़ियों को चयनित किया गया। चयनित मुक्केबाज तीन से छह अक्टूबर तक झांसी में होने वाली राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में मंडल का प्रतिनिधित्व करेंगे। ट्रायल में चयनित खिलाड़ियों में 47-50 किग्रा भार वर्ग में विनित, 50-55 किग्रा में उदयवीर, 55-60 किग्रा में सक्षम क्षेत्री, 60-65 किग्रा में कौशल, 65-70 किग्रा में अलीशान अल्वी, 70-75 किग्रा में दानिश आमिर, 75-80 किग्रा में अभिजीत चौधरी, 80-85 किग्रा में शाहनबाज, 85-90 किग्रा में श्याम मोहन का चयन हुआ है। 90 किग्रा से अधिक भारवर्ग में रवि कुमार शामिल हैं।

देश को स्वर्ण दिलाने वाले खिलाड़ियों को अब साईं केंद्र में मिलेगी सोना बाथ सुविधा

धर्मशाला। देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की तैयारियों का प्रमुख केंद्र बने भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उच्चतकता केंद्र (एनसीओई) धर्मशाला में अब खिलाड़ियों को सोना बाथ की सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है। एशियन गेम्स में भारतीय महिला कबड्डी टीम को स्वर्ण पदक दिलाने वाली टीम की कप्तान सहित धर्मशाला केंद्र के तीन खिलाड़ियों के एक साथ पदक जीतने के बाद केंद्र ने यह सुविधा शुरू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए साईं चंडीगढ़ से पत्राचार किया जा रहा है। एनसीओई धर्मशाला में लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। यहां से तेजतर्र खिलाड़ी देश और विदेश में आयोजित बड़ी प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर केंद्र का नाम रोशन कर रहे हैं। बायजूद इसके खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के बाद शरीर की थकान और मांसपेशियों को राहत देने के लिए इस्तेमाल होने वाली सोना बाथ सुविधा उपलब्ध नहीं थी। अब एशियन गेम्स में धर्मशाला केंद्र के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बाद इस कमी को दूर करने की कवायद शुरू हुई है। खेल विशेषज्ञों के अनुसार सोना बाथ खिलाड़ियों के लिए अत्यंत उपयोगी सुविधा है। इसमें गर्म पानी और भाप के माध्यम से शरीर को आराम देने, मांसपेशियों की जकड़न कम करने और कठिन प्रशिक्षण या प्रतियोगिता के बाद शरीर को पुनः तैयार करने में मदद मिलती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के प्रशिक्षण में ऐसी पुनर्वास और रिकवरी सुविधाओं की अहम भूमिका रहती है। लगातार अभ्यास और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के लिए रिकवरी बेहतर होने से प्रशिक्षण की निरंतरता बनाए रखने में मदद मिलती है।

एशियाई खेल 2026 : भारतीय क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 124 रनों से रौंदकर फाइनल में बनाई जगह

स्वर्ण पदक मुकाबले में पाकिस्तान से होगा सामना

नागोया

भारतीय क्रिकेट टीम ने एशियन खेल 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रनों से रौंदकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां स्वर्ण पदक मुकाबले में उनका सामना शनिवार को पाकिस्तान से होगा।

श्रीलंका ने टास जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन के नाबाद अर्धशतक (80 रन) और वैभव सूर्यवंशी को 38 रनों की बढौलत निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 169 रन बनाए, जबकि श्रीलंकाई टीम 9.5 ओवर में केवल 45 रनों पर सिमट गई।

170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की खराब शुरुआत रही और जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में सिनेथ जयवर्धने (00) और सोहन डी लिवेरा (00) को पवेलियन भेज दिया। दूसरे ओवर में अक्षर पटेल गेंदबाजी करने आए और अक्षर ही गेंद पर लसिथ क्रूसपुल्ले (00) भी रन आउट हो गए। इसके बाद अक्षर पटेल ने चौथे ओवर में कप्तान सहान अराचिगे (09) और आशेन बंडारा (00) को पवेलियन भेजकर श्रीलंका का स्कोर 5 विकेट पर 18 रन कर दिया। पांचवें ओवर में वाशिंगटन सुंदर को दो छक्के लगाने के बाद नुवानिंदु फर्नांडो 31 के कुल स्कोर पर 15 रन बनाकर रन आउट हो गए। सुंदर ने गेंद आफ स्टंप के बाहर डाली फर्नांडो ने बैकफुट पर जाकर बैकवर्ड पाईट की तरफ गेंद को धकेला और दोड़ पड़े, चमिका करुणारत्ने ने पहले तो प्रतिक्रिया दी लेकिन फिर रुक गए लेकिन तब तक फर्नांडो बीच पिच पर आ चुके थे, अक्षर के आसान थ्रो पर संजु सैमसन विकेट की गिल्ली उड़कर फर्नांडो को पवेलियन भेज दिया।

सातवें ओवर में 33 के कुल स्कोर पर सुंदर ने वनुजा सहान (01) को आउट कर श्रीलंका को सातवां झटका दिया। सहान ने रिवर्स स्वीप किया और गेंद सीधे फर्स्ट स्लिप में चली गई और अभिषेक शर्मा ने आसान-सा कैच पकड़ा। 10वें ओवर में 45 के कुल स्कोर पर तिलक वर्मा ने सीधे थ्रो पर थरिंदु रत्नायक को रन आउट कर श्रीलंका को आठवां झटका दिया। रत्नायक ने 5 रन



बनाया। श्रीलंकाई पारी में यह तीसरा रन आउट था।

इसी ओवर में अगली दो गेंदों पर अभिषेक शर्मा ने दो विकेट लेकर केवल 45 रनों पर श्रीलंकाई पारी का अंत किया। अभिषेक के इस ओवर में केवल 5 गेंदों पर श्रीलंकाई टीम के 3 विकेट गिरे, अभिषेक की चौथी गेंद पर चमिका करुणारत्ने (04) को संजु सैमसन ने स्टम्प आउट किया और अगली ही गेंद पर विनुरा फर्नांडो (00) बोलड हो गए। इस तरह श्रीलंका की टीम की टीम 9.5 ओवर में केवल 45 रनों पर सिमट गई।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया। तीन श्रीलंकाई बल्लेबाज रन आउट हुए।

भारत अब स्वर्ण पदक मुकाबले में शनिवार को पाकिस्तान से भिड़ेगा, जिसने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 4 विकेट से शिकस्त दी। वहीं, कांस्य पदक मुकाबले में श्रीलंका का सामना बांग्लादेश से होगा।

ईशान किशन के नाबाद 80 रन से भारत ने श्रीलंका को दिया 170 रन का लक्ष्य

इससे पहले ईशान किशन की 46 गेंदों में नाबाद 80 रन को शानदार पारी की बढौलत भारत ने एशियाई खेल 2026 के पुरुष क्रिकेट सेमीफाइनल में श्रीलंका के सामने 170 रन का लक्ष्य रखा। भारत ने निर्धारित 20

ओवर में सात विकेट पर 169 रन बनाए।

टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे भारत ने पारी की शुरुआत अभिषेक शर्मा और 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की वाएं हाथ की सलामी जोड़ी से की। श्रीलंका ने गेंदबाजी की शुरुआत स्पिनर थारिंदु रत्नायक से कराई, जिन्होंने पहले ओवर में सूर्यवंशी के एक चौका सहित पांच रन दिए।

अभिषेक ने अगले ओवर को शुरुआत छक्के से की लेकिन अगली ही गेंद पर सहान अराचिगे ने उन्हें आउट कर दिया।

अभिषेक ने तीन गेंदों में सात रन बनाए। इसके बाद संजु सैमसन क्रॉज पर आए लेकिन वह भी ज्यादा देर नहीं टिक सके और रत्नायक ने अपने दूसरे ओवर में उन्हें पवेलियन भेज दिया। सैमसन ने भी सात रन बनाए।

कप्तान श्रेयस अय्यर ने ईशान किशन से पहले बल्लेबाजी के लिए आकर वैभव सूर्यवंशी के साथ तीसरे विकेट के लिए 35 रन जोड़े। इस साझेदारी में सूर्यवंशी ने अधिक आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने विनुरा फर्नांडो के ओवर में दो चौके लगाए और इसके बाद रत्नायक के अगले ओवर में लगातार तीन चौके जड़ दिए। फर्नांडो के अगले ओवर में एक और चौका लगाकर सूर्यवंशी ने भारत को पावरप्ले में 58 रन तक पहुंचाया।

पावरप्ले के तुरंत बाद सहान अराचिगे ने सूर्यवंशी को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। इसके बाद रन गति कुछ धीमी पड़ गई।

ईशान किशन ने कुछ बड़े शाट लगाए लेकिन 10वें ओवर में कप्तान श्रेयस अय्यर भी आउट हो गए। अय्यर ने 13 गेंदों में 13 रन बनाए।

इसके बाद श्रीलंका के स्पिनरों ने कुछ ओवरों तक भारतीय बल्लेबाजों को बांधे रखा। 14वें ओवर में लसिथ क्रूसपुल्ले ने अक्षर पटेल को आउट किया। अक्षर ने 13 गेंदों में आठ रन बनाए। अगले ओवर में ईशान किशन ने रन गति बढ़ाने की कोशिश की और दो चौके लगाए लेकिन ओवर की अंतिम गेंद पर नुवानिंदु फर्नांडो ने तिलक वर्मा को पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद शिवम दुबे ने ईशान का साथ दिया लेकिन वह भी नौ गेंदों में तीन रन बनाकर आउट हो गए। ईशान ने छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और इसके बाद लगातार तीन ओवरों में कम-से-कम एक चौका हासिल किया।

देहरादून वारियर्स बनी यूपीएल-2026 चैंपियन, हरिद्वार इल्मास को 36 रन से हराया

देहरादून

देहरादून वारियर्स ने उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) के तीसरे सत्र का खिताब अपने नाम कर लिया। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में देहरादून ने हरिद्वार इल्मास को 36 रन से हराया। कप्तान कुणाल चंदेला की 90 रन की कप्तानी पारी और आदित्य रावत की चार विकेट की शानदार गेंदबाजी जीत की प्रमुख वजह रही।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी देहरादून की टीम ने 22 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कुणाल चंदेला ने सारी को संभाला और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 51 गेंदों पर आठ चौकों और चार छक्कों की मदद से 90 रन बनाए। मोहम्मद उज्जर मलिक ने 46 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों के साथ 64 रन की उपयोगी पारी खेली। दोनों के बीच हुई साझेदारी ने देहरादून को शुरुआती झटकों से उबारते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 197 रन तक पहुंचाया।

198 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरिद्वार इल्मास की शुरुआत बेहद खराब रही। पहली ही ओवर में विकेट गंवाने के बाद टीम लगातार दबाव में रही और 68 रन तक उसके पांच बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। देहरादून के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर हरिद्वार को



लक्ष्य की ओर बढ़ने नहीं दिया।

आदित्य रावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3.4 ओवर में महज 19 रन देकर चार विकेट चटकाए। अभिषेक सिंह ने दो और सुमित जुयाल ने दो विकेट लिए, जबकि देवेंद्र एस. बोरा और नीरज सिंह राठौर को एक-एक सफलता मिली।

हरिद्वार की ओर से शाश्वत डोंगवाल ने 31 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 59

रन बनाकर मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। पूरी टीम 19.4 ओवर में 161 रन पर आउट हो गई। इस जीत के साथ देहरादून वारियर्स ने यूपीएल के तीसरे सत्र की ट्राफी अपने नाम की। लीग चरण में भी टीम ने छह में से चार मैच जीते थे और बेहतर नेट रन रेट के आधार पर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

मनदीप सिंह ने पूरे किए 300 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच, हाकी इंडिया ने दी बधाई

काकमिगाहारा

भारतीय पुरुष हाकी टीम के स्टार फारवर्ड मनदीप सिंह ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 300 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे कर लिए। उन्होंने

यह उपलब्धि जापान के काकमिगाहारा में पाकिस्तान के खिलाफ एशियाई खेल 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान हासिल की। 31 वर्षीय मनदीप ने 2013 में 18 साल की उम्र में सीनियर भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था।

हाकी इंडिया लीग में सेंटर फारवर्ड के रूप में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद उन्हें

राष्ट्रीय टीम में जगह मिली थी। इसके बाद उन्होंने कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और टीम की सफलताओं में योगदान दिया।

उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का शुरुआती महत्वपूर्ण क्षण 2016 में आया, जब वह जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। इसके बाद उनका करियर ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और अन्य प्रमुख वैश्विक एवं महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में कई पदकों से सजा।

मनदीप टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में लगातार कांस्य पदक जीतने



वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। एशियाई खेलों में उन्होंने 2023 में हांगझोंउ में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में भूमिका निभाई, जबकि 2018 में जकार्ता एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे।

उनके पदक संग्रह में बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों का रजत पदक तथा 2016 और 2018 चैंपियंस ट्राफी के रजत पदक भी शामिल हैं। महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में उन्होंने 2025 एशिया कप में स्वर्ण और 2013 में रजत पदक जीता। वह 2018 और 2023 में एशियाई चैंपियंस ट्राफी जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे।

भारतीय खेल में उनके योगदान को देखते हुए मनदीप को 2021 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप टिर्की ने मनदीप को बधाई देते हुए कहा,

300 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करना एक शानदार उपलब्धि है और भारतीय हाकी के प्रति मनदीप के समर्पण का प्रमाण है। हाकी इंडिया की ओर से मैं इस विशेष उपलब्धि पर उन्हें बधाई देता हूँ और भारतीय जर्सी में उनके निरंतर सफल प्रदर्शन तथा कई और यादगार पलों की कामना करता हूँ।

हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी मनदीप को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा, 300 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करना एक दशक से अधिक लंबे करियर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वह कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत की यात्रा का अहम हिस्सा रहे हैं और उन्होंने हमेशा देश का प्रतिनिधित्व गर्व के साथ करने की जिम्मेदारी निभाई है। हाकी इंडिया की ओर से मैं मनदीप को बधाई देता हूँ और अंतरराष्ट्रीय हाकी में उनके कई और सफल वर्षों की कामना करता हूँ।

आज बड़े बड़े देश अंतरिक्ष की यात्रा कर रहे हैं और एलियन की खोज में लगे हुए हैं, आज यहां ऐसे नाइजीरियन एस्ट्रोनॉट की बात हो रही है जो 25 सालों से अंतरिक्ष में यहाँ के चक्कर लगा रहा है। जानकारी के लिए बता दें इस एस्ट्रोनॉट का नाम अबावा टुंडे है, जो सालों पहले यु एस एस आर के साथ सोवियत स्पेस क्राफ्ट में स्पेस गए थे, और अब तक नहीं लौटे और बाकी साथी धरती पर वापस आ

25 सालों से अंतरिक्ष में है ये नाइजीरियन

गए। पिछले एक हफ्ते में ब्रिटिश वेबसाइट अनरोक पर जो मैसेज आया जिसने सभी को हिला कर रख दिया है , मैसेज में लिखा था की वे अंतरिक्ष में फंस गया है और उसे धरती पर आने के लिए 3 मिलियन की जरूरत है, इस मैसेज के आते ही

मानो हड़कम्प सा मच गया और खबर हवा की तरह फैलती चली गई। यु एस एस आर के सगे साथियों ने बताया की हो सकता है टुंडे का 25 साल अंतरिक्ष में रहना एक मिशन का हिस्सा हो, हालांकि की अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है। जब से अबावा टुंडे की अंतरिक्ष में गए है तबसे उनकी सैलरी 15 मिलियन हो चुकी है जो तेंगोस नेशनल सेविंग्स एंड ट्रस्ट एसोसिएशन में जा रही है,

प्याज की चाय घटाती है तेजी से वजन

प्याज की चाय वजन कम करने के साथ डायबिटीज को दूर करती है। प्याज की चाय प्याज के छिलके से बनती है। इसमें फ़ेरसटिन नाम का पिमेट होता है जिसके कई सारे फायदे हैं। ये खून का थक्का बनने से रोकता है जिससे हाइपरटेंशन का खतरा कम होता है। इसके अलावा अगर नींद ना आने की समस्या से परेशान हैं तो प्याज की चाय बहुत फायदा करती है।



नार्कोलेप्सी से जुड़े हैं ये जोखिम

नार्कोलेप्सी नींद से जुड़ी एक ऐसी समस्या है जिसमें रोगी कभी भी और कहीं भा अचानक से सो जाता है। इस बीमारी में रोगी कभी भी बैठे-बैठे या काम करते हुए सो जाता है, यहाँ तक कि हंसते या रोते हुए भी। साथ ही रोगी दिन भर उनींदा और थका हुआ रहता है। कितना भी सो लेने के बाद रोगी को लगता है, कि वह सोया ही नहीं है। यह बीमारी अधिकांशतः 15 से 25 साल की आयु के लोगों को अपना शिकार बनाती है। नार्कोलेप्सी से कई प्रकार के जोखिम भी जुड़े होते हैं। चलिए जानें नार्कोलेप्सी और इससे जुड़े जोखिम क्या हैं

क्या है नार्कोलेप्सी

नार्कोलेप्सी के रोगी हमेशा सुस्त महसूस करते हैं और उन्हें अधिक समय तक जागने में कठिनाई होती है। हालांकि अभी तक वैज्ञानिक इस बीमारी का ठोस कारण पता लगाने में सफल नहीं हो पाए हैं। लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि अनुवांशिकी और वायरस के संयोग से ऐसी स्थिति पैदा होती है। महिलाओं इस बीमारी के लक्षण मरीज में लम्बे समय से हो सकते हैं लेकिन बीमारी का पता बहुत दिनों बाद चलता है।

मोटापा

नार्कोलेप्सी से पीड़ित रोगी के ओवर वेट होने की आशंका सामान्य लोगों से दो गुना तक अधिक होती है। वजन बढ़ने की ये घटना निष्क्रियता, ज्यादा खाने, हाइपोसर्टेन की कमी या अन्य कारकों के संयोजन से संबंधित हो सकती है। नार्कोलेप्सी के मरीज



हमेशा सुस्त रहते हैं। इन रोगियों में मनासिक समस्याओं जैसे डिप्रेशन, बाइपोलर डिस्ऑर्डर और सीजोफ्रेनिया भी शामिल हो सकते हैं। इसलिए इसके लक्षणों के प्रति सचेत रहना चाहिए और समय रहते चिकित्सकीय मदद लेनी चाहिए।

नार्कोलेप्सी के जोखिम कारक

बाहरी व निजी जीवन में नार्कोलेप्सी व्यक्तिगत रूप से आपके लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है। चलिए जानें कि इस रोग के कारण किस तरह के जोखिम पैदा हो सकते हैं -

नींद के ये अटैक नार्कोलेप्सी से पीड़ित व्यक्ति को शारीरिक नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। यदि ड्राइविंग करते हुए इस तरह का स्लीप अटैक आए तो एक्सीडेंट हो सकता है। वहीं यदि भोजन तैयार करते समय आप सो जाएं तो कट जाने व जल जाने का खतरा अधिक होता है।

आंखों के रंगों में बदलाव सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि यह खतरनाक हो सकता है, इसे हल्के में न लें और आंखों की जांच कराएं। आंखें कुदरत का सबसे अनमोल तोहफा हैं, न केवल हम इनसे दुनिया को देखते हैं बल्कि आपकी आंखों में ही आपके सेहत का राज छिपा है। आपकी आंखें बहुत कुछ कहती हैं, अगर आपको कोई बीमारी है तो उसका पता आपकी आंखों से आसानी से चल जाता है। अगर आपकी आंखों का रंग बदल रहा है तो इसे हल्के में न लें, हो सकता है यह किसी गंभीर बीमारी के संकेत हों।

मानसिक स्वास्थ्य में

कुछ दिमागी बीमारियां हैं जिनके बारे में आंखें बताती हैं। सीजोफ्रेनिया और बाइपोलर डिस्ऑर्डर जैसी मानासिक बीमारी होने पर आपकी आंखों का रंग अलग होगा। जैसे सीजोफ्रेनिया होने पर व्यक्ति अपनी आंखों को एक ही बिंदु पर स्थिर नहीं रख सकता है। लेकिन हाल में हुए शोध के अनुसार ग्लूकोमा होने पर भी व्यक्ति को ऐसी परेशानी होती है।

ब्रेन ट्यूमर होने पर

दिमाग में ट्यूमर होने पर सिरदर्द, थकान, आलस, जैसी स्थिति इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन ब्रेन ट्यूमर होने पर आंखों का रंग बदलता तो है साथ ही देखने में परेशानी होती है, धुंधला दिखाई देता है।

थायराइड होने पर

थायराइड ग्रंथि का सुचारु रूप से काम करना हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। थकान, वजन कम होना या बढ़ना, बार-बार भूख लगना थायराइड ग्रंथि के ठीक से काम न करने के लक्षण हैं, लेकिन थायराइड ग्रंथि में समस्या होने पर आंखें उभरी हुई दिखती हैं। अगर आपकी आंखों में उभार हो तो यह थायराइड के संकेत हैं।

डायबिटीज की समस्या

मोटापे और अनियमित दिनचर्या के कारण डायबिटीज के लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डायबिटीज होने पर आंखों पर भी असर पड़ता है, इसके कारण आंखों की पुतलियों का रंग बदल जाता है और आंखों की रक्त वाहिकायें भी प्रभावित होती हैं, इसके कारण नक्सीर भी हो सकता है।

पीलिया होने पर

पीलिया होने पर उसका पता नाखूनों के अलावा आंखों के रंग से भी चल जाता है। पीलिया होने पर आंखों में एक किस्म का पीलापन और भूरापन आ जाता है। हालांकि अधिक मात्रा में वसायुक्त भोजन करने और फलों और हरी सब्जियों का सेवन कम करने के कारण भी आंखों का पीलापन बढ़ने लगता है। इससे देखने की क्षमता पर असर नहीं पड़ता। परंतु यदि आंखों का पीलापन लगातार बढ़ रहा है तो पीलिया की जांच कराएं।



आंखें खोलती हैं

सेहत से जुड़े राज



मोतियाबिंद

मोतियाबिंद आंखों की बीमारी है, इसके कारण आंखों की रोशनी जा सकती है और आदमी अंधा भी हो सकता है। इसकी शुरुआत धुंधला दिखाई देने से होती है। यह बीमारी आंखों के पर्दे पर धुंधला धब्बे बनने के कारण होता है। अगर आंखों पर धुंधले धब्बे दिखें तो यह मोतियाबिंद हो सकता है।

तनाव होने पर

आदमी को यदि तनाव या अवसाद हो तो उसकी आंखें इसके बारे में बता देती हैं। तनाव के कारण अनिद्रा की समस्या होती है और इसकी वजह से आपकी आंखों का रंग लाल हो जाता है। हालांकि कभी-कभी यह लक्षण थायराइड के कारण भी हो सकते हैं।

पैरालिसिस या लकवा

लकवा जैसे गंभीर स्ट्रोक होने पर पलकें लटकी हुई दिखाई देती हैं, हालांकि यह समस्या बुढ़ापे में होती है। लेकिन कुछ मामलों में लटकी पलकें गंभीर स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं। पलकों के लटकने के अलावा आवाज में भी लड़खड़ाहट होने लगती है। इस स्थिति में खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

एलर्जी होने पर

अगर आपकी आंखें लाल हैं और उनमें खुजली हो रही है तो यह एलर्जी के संकेत हो सकते हैं। एलर्जी होने पर आंखें लाल हो जाती हैं और छींक भी आती है। इस समय नाक बंद हो जाती है और नाक से पानी भी आता है।

उच्च रक्तचाप में

उच्च रक्तचाप की समस्या होने पर भी आंखों के रंग में बदलाव होता है। हाई ब्लड प्रेशर के दौरान आंखें लाल हो जाती हैं। इसके अलावा रक्त वाहिकाओं यानी ब्लड वेसेल्स के फैलने के कारण आंखों में सूजन भी हो सकती है। उच्च रक्तचाप के कारण होता है।

रेसिपी



विधि

सबसे पहले एक कटोरे में आटाएं नमक और पानी मिला कर नरम गूथ लें। अब गूथे हुए आटे में से थोड़ा सा हिस्सा निकालें और उसे मसल कर बेल लें। बेले हुए हिस्से में चॉकलेट पेस्ट बीच में रख कर फैलाएं। अब आटे को सब तरफसे बंद करें और दुबारा बेलें। अब गरम तवे पर तेल लगा कर परांठे सेंकें। परांठे को दोनों ओर गोल्डन ब्राउन होने तक सेंकें। आपका परांठा सर्व करने के लिए तैयार है।

चॉकलेट परांठा

सामग्री

- 1 कप चॉकलेट पेस्ट
- 3 कप गेहूं का आटा
- तेल तलने के लिए
- नमक स्वादानुसार

होल व्हीट त्रेंड रोल्ट्स

सामग्री

- 2 कप गेहूं का आटा
- 1 टी.स्पून सूखा खमीर
- 1 टी.स्पून शक्कर
- 1 टेबल.स्पून नरम मक्खन
- नमक स्वादअनुसार



विधि

एक छोटे बाउल मेंए खमीरए शक्कर और 2 टेबल.स्पून गुनगुने पानी को मिला लें और ढक्कन से ढककर 10 मिनट के लिए रख दें। एक गहरे बाउल में गेहूं का आटा मक्खन नमक और खमीर,शक्कर के मिश्रण को मिला लें और लगभग 3-4 कप गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूथ लें। आटे को हल्के गीले सुती कपड़े से ढककर 20 मिनट के लिए रख दें। बैकिंग ट्रे को तेल से चुपड़कर रख दें। आटे को 8 भागो में बांट लें और प्रत्येक भाग के गोले बनाकर चुपड़ी हुई बैकिंग ट्रे पर रख दें। हल्के गीले सूती कपड़े से ढककर 45 मिनट या एनके अच्छी तरह फूल जाने तक 45 मिनट के लिए गरम जगह पर रख दें। पहले से गरम अवन में 200°O ,400°gh के तापमान पर 20 मिनट के लिए बेक कर लें। हल्का टंडा कर परोसे।

ह्यूमेनिटीज में भरपूर रोजगार



क्या है ह्यूमेनिटीज

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और कॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम को हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी प्राथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं रखते, लेकिन बदलते वक़्त के साथ इस स्ट्रीम से जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी विस्तृत हो गया है। ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता था, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है या शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। लेकिन मौजूदा वक़्त में यह धारणा अप्रासंगिक हो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे पद, बड़ी उपलब्धियाँ और तरक्की पाई जा सकती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने के साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी हैं। ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित विकल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय गतिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख लीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों को सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यों आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और इड्योथेटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), बिजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एसिएट/ मॉडर्न लैंग्वेज्स, फिलॉसफी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया

एंज एडवर्टाईजिंग और कम्प्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है।
आईआईटी में कोर्स
ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसआई यानी ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन नाम से हर साल एक प्रदेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

कैसा होगा करियर

दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाईजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरीज, प्रिंकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है।



टेक्नॉलजी के बारे में बात करते हुए इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग के प्रफेसर वी. रामगोपाल राव ने बताया, 'इंजीन के सरफेस पर खास कॉटिंग लगी हुई है। इंसान के बाल की मोटाई के बराबर संरचनाएं इसमें हैं, जो सेंसर का काम करती हैं। इसपर लगे नैनो पार्टिकल्स पर विस्फोटक सामग्री के वाष्प कण चिपक जाते हैं।' यह RDX और

ENT जैसे विस्फोटकों की पहचान कर सकता है। सरफेस पर अलग-अलग तरह की कॉटिंग से यह अलग तरह के विस्फोटकों को पहचान सकता है। इसे इस तरीके से तैयार किया गया है कि बिल्कुल ईंसान या जानवर की नाक की तरह काम करता है। इसे पंप के साथ फिट किया गया है, जो आसपास की हवा को अंदर लेकर और बाहर छोड़ता रहता है। इंजीन को गतिशील गाड़ी में भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि इसे वाइब्रेशन से पावर मिलती है। यह मैकेनिकल एनर्जी को इलेक्ट्रिकल एनर्जी में तब्दील कर देता है। इस नाक को तैयार करने में इस्तेमाल हुए हिस्सों पर 5 से 10 हजार रुपये का खर्च आया है।